तापमान
अधिकतम 28.1 डिग्री
न्यूनतम 8.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 15 फरवरी 2026

10 निकिता की मौत के बाद मंत्री के सामने फूट-फूट ...

10 थानेसरः प्रभातफेरी में भजनों की गूंज से सारा ...

खबर संक्षेप

घर पर फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्तार

करनाल। घर पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआईए-1 इंचार्ज निरीक्षक संदीप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा उप निरीक्षक जयपाल की अध्यक्षता में की गई। पुलिस ने मामले में शामिल आरोपी गुरशेर सिंह निवासी सोंटा, अम्बाला तथा जसबीर सिंह निवासी चौहान कॉलोनी, राजपुरा, पटियाला को काबू किया है। वारदात में प्रयुक्त एक बाइक भी पुलिस ने बरामद कर ली है। जांच अधिकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि 3/4 फरवरी 2026 की रात मोटरसाइकिल पर सवार कुछ अज्ञात बदमाशों ने फूसगढ़, करनाल स्थित उसके घर पर 3-4 राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। शहर के मीना बाजार से युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अगवा कर लिया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की एक कालोनी निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 19 वर्षीय लड़की शहर के मीना बाजार में काम करती है। 12 फरवरी को उसकी लड़की सुबह 10 बजे काम पर गई थी मगर शाम सात बजे तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को दीपक नामक युवक शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है।

नशा तस्करी में संलिप्त दूसरा आरोपी गिरफ्तार

करनाल। नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने नशा तस्करी के आरोपी विनोद निवासी वाल्मीकि बस्ती, घरौंडा, करनाल को काबू किया गया। मामले में पहले आरोपी के अन्य साथी मोहित डाबला निवासी धोबी घाट चांद सराय, थाना शहर,करनाल को काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 25 ग्राम स्मैक नशीला पदार्थ बरामद की गई। जिसके विरुद्ध थाना शहर,करनाल में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया कर एक दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह इस नशीले पदार्थ को उसके अन्य साथी पवन से खरीदकर आगे बचने के लिए लाया था।

पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर ठगे 9.24 लाख

यमुनानगर। साइबर ठगों ने यूको बैंक का कर्मचारी बनकर पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर छछरौली निवासी तनवीर इकबाल से नौ लाख 24 हजार रुपये ठग लिए।।जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव छछरौली निवासी तनवीर इकबाल ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह आठ फरवरी को अपने घर पर मौजूद था। इस दौरान उसके मोबाइल के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। मैसेज करने वाले व्यक्ति ने खुद को यूको बैंक का कर्मचारी बताया। यदि उसे पेंशन कार्ड बनवाना है तो वह उनसे संपर्क कर सकता है। आरोपियों ने उसे झासे में लेकर नौ लाख 24 हजार रुपये ठग लिए।

अंबाला: पांच आरोपी पकड़े, नेपाल जाकर बेचते थे चोरी के फोन

ट्रेनों से मोबाइल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

जीआरपी और आरपीएफ टीम को मिली बड़ी सफलता

दो आरोपियों को लिया रिमांड पर , फोन चोरी की 40 वारदातें दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

जीआरपी और आरपीएफ टीम ने ट्रेनों में मोबाइल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने इस मामले में उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले पांच युवकों को पकड़ा है। आरोपियों की पहचान गोंडा के संत कुमार, प्रवेश इटावा के अभिषेक, अमेठी के रमन, व बागेश्वर के नरेंद्र के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 8 महंगे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपी चोरी के एंड्रॉयड फोन को सीमा पार नेपाल में ले जाकर बेचते थे ताकि ट्रैकिंग से बचा जा सके। आईफोन लॉक होने के कारण आरोपी उन्हें खोलकर उनके कीमती पुर्जों (डिस्प्ले, कैमरा, बैटरी) की सप्लाई करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने यह बताया कि आईफोन को ट्रेस करना बेहद आसान होता है, इसलिए वो यह फोन चोरी नहीं करते, अगर चोरी करते भी हैं तो इनके कल-पुर्जे को अलग-अलग करके बेचते हैं ताकि फोन ट्रेस ही न हो सके।

चोरी के 40 मोबाइलों में से 20 मिल चुके

जीआरपी थाने से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पिछले वर्ष जनवरी से लेकर दिसंबर 2025 तक लगभग 40 मामले मोबाइल चोरी के दर्ज किए गए। इसमें स्मार्टफोन के अलावा आईफोन से जुड़े लगभग दस मामले भी शामिल हैं। इनमें से 20 फोन मिल चुके हैं। पुलिस का कहना है अंतरराज्यीय गिरोह से गहनता से पूछताछ की जा रही है। कौन कौन लोग गिरोह में शामिल है पुलिस तह तक जाएगी और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करेगी।

आरोपियों से तीन मोबाइल बरामद

आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने 9 फरवरी को कैंट रेलवे स्टेशन से एक मोबाइल चोर को काबू किया था। उसके कब्जे से तीन मोबाइल बरामद किए गए थे। आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लेकर जब पूछताछ की गई तो उसने अंतरराज्यीय गिरोह की जानकारी दी, जिसके तार नेपाल से जुड़े हुए थे। इसके बाद सुरक्षा टीम ने बिहार सहित यूपी के अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर अभिषेक, रमन, प्रवेश और नरेंद्र को गिरफ्तार किया। तीन आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है जबकि प्रवेश व नरेंद्र को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों की धरपकड़ और चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी हो सके। पूछताछ में बताया कि वो कैंट रेलवे स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों में रात 10 बजे से सुबह चार बजे के बीच चोरी करते थे। इस दौरान वो ट्रेन के एसी कोच में दाखिल होते थे और फिर सॉकेट में लगे मोबाइल या फिर सीट पर रखे मोबाइल को चोरी करके फरार हो जाते थे। इस दौरान वो चोरी किए मोबाइल को तुरंत बंद कर देते थे और फिर इसे दिल्ली में दूसरे साथी को देते थे ताकि वो नेपाल में जाकर इन्हें बेच सके।

मोबाइल की दुकान में चोरी, आरोपी काबू

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने बरसत रोड नूरवाला अड्डा पर मोबाइल दुकान से मोबाइल फोन व नकदी चोरी करने के आरोपी सन्नी पुत्र रामनिवास निवासी जसबीर कालोनी पानीपत को बरसत रोड पर कृपाल आश्रम के पास से गिरफ्तार किया। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित सरोहा ने बताया कि मोबाइल दुकान में चोरी की उक्त वारदात बारे थाना तहसील कैंप में अशोक नगर, तहसील कैंप निवासी सन्नी पुत्र रमेश की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं पुलिस ने आरोपी सन्नी के कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल फोन सैट बरामद कए हैं। जबकि इसके फरार साथ चोरी के आरोपी कृष्णा को भी पुलिस जल्द गिरफ्तार करेगी।

यमुनानगर। पुलिस हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश करने ले जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

दो साल से फरार चल रहा हत्या का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर की गोल्डन पुरी निवासी अजय की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी यूपी के फैजाबाद निवासी अमित को पुलिस ने देर शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को शांति कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है ताकि आरोपी से वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार बरामद किए जा सकें। डीएसपी जगाधरी राजीव मिगलानी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि 21 मार्च 2024 को गोल्डन पुरी निवासी अजय की हत्या की गई थी। अजय बिहार के मोहितारी का रहने वाला था जो गोल्डनपुर में रहता था। यह हत्या यूपी के फैजाबाद निवासी अमित व दो महिलाओं ने मिलकर की थी। इस मामले में दो महिलाएं पहले गिरफ्तार हो चुकी हैं। इस मामले में आरोपी अमित फरार चल रहा था। जिसे टीम ने गिरफ्तार कर लिया। इसी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

मृतक ने की थी दूसरी शादी

मृतक अजय की पत्नी से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके पति अजय ने दूसरी शादी कर ली थी और उसके साथ वह बिहार रहने लग गया था। वह बार-बार उसे भी बिहार में जाकर रहने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन वह बिहार नहीं जाना चाहती थी। इस बारे उसने अपनी सहेली से बात की। इसके बाद उसकी सहेली ने उसे अमित से मिलवाया था।

माल लोड कर जगाधरी जा रहा था, लाडवा में इंद्री रोड पर हादसा

अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ा कैंटर, ड्राइवर की जान गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

लाडवा में इंद्री रोड पर अनियंत्रित होकर एक कैंटर डिवाइडर पर चढ़ गया। इस हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई। ड्राइवर कैंटर लेकर पानीपत से जगाधरी की तरफ जा रहा था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। मृतक की पहचान 48 वर्षीय बलवान सिंह निवासी सेक्टर-4 करनाल के रूप में हुई। बलवान सिंह कैंटर चलाता था और करीब 5 साल से श्रीराम रोड लाइन ट्रांसपोर्ट पर नौकरी कर रहा था। बलवान सिंह अपने 4 भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

बलवान अपनी पीछे पत्नी, बेटा रितिक और बेटी रितू को छोड़ गया। करनाल के सेक्टर-4 निवासी बनारसी दास ने पुलिस को बताया कि उसका छोटे भाई बलवान सिंह ने शुक्रवार रात को पानीपत की पेप्सी कंपनी से माल लोड किया। अगले दिन यानी 14 फरवरी की सुबह जगाधरी में माल उतारने के लिए निकला था। रास्ते में लाडवा-इंद्री रोड पर हनुमान मंदिर के पास कैंटर का बैलेंस अचानक बिगड़ गया। गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई, जिससे बलवान को सीने में गंभीर चोट लगी। मौके पर पहुंची पुलिस की गाड़ी ने उसे कैंटर से निकालकर तुरंत सरकारी अस्पताल लाडवा पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसके भाई को मृत घोषित कर दिया। मृतक बलवान सिंह मूल रूप से जिला कैथल के गांव बाता का रहने वाला था।

भ्रूण लिंग जांच में पकड़े गए तीनों आरोपियों को जेल भेजा

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज भ्रूण जांच मामले में महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। मामले में संलिप्त आरोपी मोहित व रोहित गांव टुंडला के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इसी मामले में संलिप्त आरोपी महिला को भी को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपियों को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। चिकित्सा अधिकारी सिविल सर्जन ने 12 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी मोहित, रोहित व अन्य ने जगाधरी गेट के पास अल्ट्रासाउंड केंद्र में गैर कानूनी लिंग जांच करवाने में पकड़े गए थे।

भारतीय किसान संघ ने समस्याओं से संबंधित मांग पत्र कृषि मंत्री को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

भारतीय किसान संघ द्वारा शनिवार को किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को मांगपत्र सौंपा गया। मौके पर संघ के प्रदेश महामंत्री रामबीर सिंह चौहान मुख्य रूप से मौजूद थे। उन्होंने मांग पत्र में कहा गया कि दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हर गांव में खरीद एजेंसी का प्रावधान हो और दूध का दाम 100 रुपये प्रति लिटर किया जाए। किसान को देसी गांव का सिमन उपलब्ध करवाया जाये। किसान देसी गाय के सिमन उपलब्ध न होने के कारण विदेशी गोवंश का सिमन प्रयोग कर रहा है। जैविक खेती करने वाले किसानों को विशेष लाभ देकर उसका मनोबल बढ़ाया जाये। राष्ट्रीय राजमार्ग बनने के साथ साथ पानी की निकासी का भी प्रबंध किया जाए। ताकि किसानों को

जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। गुमथला-यमुनानगर वाया खजूरी सड़क मार्ग पर बरम नहीं है। सड़क के दोनो ओर टाइले लगाई जाए, जिससे सड़क मार्ग चौड़ा हो सके। जिस कारण दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री रामबीर सिंह चौहान, प्रताप सिंह खजूरी प्रदेश उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश राणा, सुरेश राणा आदि मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्रः 106 ग्राम अफीम सहित सप्लायर गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सप्लाई नेटवर्क से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने मुख्य सप्लायर जगजीत सिंह उर्फ बाबू निवासी दबखेड़ी, जिला कुरुक्षेत्र को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 12 फरवरी को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक गुरबक्श व टीम जिंदल चौक क्षेत्र में गश्त पर थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सुशील कुमार निवासी जोगनाखेड़ा को देवीलाल पार्क के पास मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 106 ग्राम अफीम बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

42 वारदात करने वाला चोर काबू 9.50 लाख के जेवरात बरामद

अंबाला। पुलिस की सीआईए टू यूनिट ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जो बार बार चोरी करके आमजन व पुलिस के लिए परेशानी बना हुआ था। आरोपी के कब्जे से लगभग 6 तोले सोना और 240 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। बरामद संपत्ति की बाजारी कीमत करीब 9.50 लाख रुपए आंकी गई है। इस गिरफ्तारी से थाना महेश नगर क्षेत्र की चोरी की 5 वारदातों की गुत्थी सुलझ गई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अकेले महेश नगर इलाके में ही 12 वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी का आपराधिक इतिहास बेहद चौकाने वाला है। उसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में चोरी के करीब 42 मामले दर्ज हैं।आरोपी चोरी के दौरान अपनी पहचान छिपाने के लिए बेहद सावधानी बरतता था। वह मुंह छिपाकर और हाथों में दस्ताने पहनकर चोरी करता था ताकि सीसीटीवी कैमरों में न पहचाना जा सके। न ही उसके उंगलियों के निशान (फिंगरप्रिंट्स) मिलें। पहले ही 8 मामलों में गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके थे।

अकेले महेश नगर इलाके में ही 12 वारदातों को दे चुका है अंजाम

जमाई ने सास की एफडी तुड़वा की 29 लाख रुपये की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

बुजुर्ग महिला के साथ उसके जमाई ने 29 लाख रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने अपनी सास की एफडी तुड़वाकर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। आरोपी अपनी पत्नी के साथ सास के पास ही रहता है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जमाई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। कुरुक्षेत्र की रहने वाली कुलवंत कौर ने पुलिस को बताया कि वह अनपढ़ है और सिर्फ साइन करना जानती है। उसकी 4 बेटियां हैं, कोई बेटा नहीं है। सबसे बड़ी बेटी की शादी 21 दिसंबर 2009 को मनजोत सिंह से हुई थी। 2019 में उसके पति अमेरिका चले गए थे, तब से बेटी और जमाई उसके साथ ही रहते हैं। साल 2017 में उसके जमाई का ज्योति नगर वाला घर बाढ़ से प्रभावित हुआ। उसने घर बेचकर नया घर मॉडल टाउन में खरीदा। पुराना घर 60-65 लाख में बिका, नया 80-85 लाख में खरीदा। बाकी रुपए उसने अपनी बचत, रिश्तेदारों से उधार और जमीन पर लोन लेकर दिए। उसके जमाई ने सारे पैसे वापस करने का वादा किया, लेकिन एक रुपया भी नहीं लौटाया। कुलवंत कौर ने बताया कि उसने इंडसइंड बैंक पिपली ब्रांच में 22 जुलाई 2020 को 29 लाख रुपये की एफडी करवाई थी।

घर में घुसकर महिला को पीटकर घायल किया

यमुनानगर। शहर की रूपनगर कॉलोनी बाड़ी माजरा में कहासुनी होने पर घर में घुसकर महिला को पीट कर घायल कर दिया। घायल महिला का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीन महिलाओं समेत चार के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। रूपनगर कॉलोनी बाड़ी माजरा निवासी सन्नो देवी ने सदर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी कुछ दिन पहले गांव खारवन निवासी मीना के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया। मगर इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे थे।

त्योहारः कांवड़ियों का जगह-जगह भव्य स्वागत, फूलों की वर्षा

मंदिरों में ओम नमः शिवाय का अखंड पाठ भी शुरू

महाशिवरात्रि पर सजे शिवालय, चहुंओर हर-हर बम-बम भोले की जयकारे गूंजे, रात 12 बजे से जलाभिषेक शुरू

कुरुक्षेत्र। फूलों से सजा श्रीदुखभंजन महादेव मंदिर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शिवभक्तों की तैयारियां चरम पर हैं। पर्व की पूर्व संध्या पर शनिवार को शहर के मंदिर साफ-सफाई के बाद रंग-बिरंगी लाइटों से सजा दिए गए। शहर समेत ग्रामीण अंचल के शिवालयों पर ओम नमः शिवाय का अखंड पाठ भी शुरू हो गया है। रविवार को अलसुबह से ही शिवालयों में जलाभिषेक शुरू हो जाएगा। शिव भक्त महाशिवरात्रि को लेकर उत्साहित हैं। मंदिरों की साफ-सफाई के बाद रंग-बिरंगी झालर और लाइटों से सजाया गया है। महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ रविवार को मनाया जाएगा। जिलेभर के मंदिरों में पर्व की पूर्व संध्या पर तैयारियां चलती रहीं। शहरी और कस्बाई इलाकों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्रद्धा भक्ति का माहौल है। श्रद्धालु उपवास रखेंगे और भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। दिनभर कांवड़ यात्रा जारी रही, शिवभक्तों का डीजे पर खूब धमाल देखने को मिला। महाशिवरात्रि को लेकर कांवड़ियों में विशेष उत्साह देखा गया। गंगा घाटों से गंगाजल भरकर वे अपनी कांवड़ लेकर भोले भंडारी के भजन गाते चले जा रहे थे। डीजे पर थिरकते भी दिखे। कांवड़िए जगह-जगह लगाए गए पंडालों में विश्राम करते भी देखे गए। कांवड़िएं के रास्तों पर कैंप लगाए गए हैं जहां उनके खान-पान, विश्राम आदि की व्यवस्था की गई है। कस्बाई इलाकों में भी उत्साह का माहौल है।

भगवान शिव की पूजा ऐसे करें

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा में बिल्वपत्र का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बिना बिल्वपत्र के शिव पूजा अधूरी मानी जाती है। इस दिन शिवलिंग पर बिल्वपत्र, धतूरा, फूल, धूप और दीप अर्पित किए जाते हैं। साथ ही रुद्राभिषेक में दूध, दही, घी, मधु और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है।

विदेशी लेन-देन विवाद में फायरिंग, दो गिरफ्तार

- तीन फरवरी को ब्यूटी पार्लर संचालक के घर पर चलाई थी गोलियां, बाइक और हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

शहर में 3 फरवरी की रात ब्यूटी पार्लर संचालक के घर पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के पीछे विदेश में रहने वाले व्यक्ति से आर्थिक लेन-देन का विवाद जुड़ा हो सकता है। घटना के समय घर में संचालक की मां और पत्नी मौजूद थीं। अचानक हुई गोलीबारी से परिवार और आसपास के लोग दहशत में आ गए। पुलिस ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू की थी। जांच अधिकारी ने बताया कि वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपियों में एक व्यक्ति रेकी करने वाला बताया जा रहा है, जबकि दूसरा गोली चलाने में शामिल था। दोनों को अदालत में पेश कर एक आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि दूसरे को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की कड़ियां विदेश तक जुड़ी हो सकती हैं।

खबर संक्षेप

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन : चौहान

नीलोखेड़ी। प्रत्येक जिले में विकसित अमृत सरोवर सतत देखरेख के अभाव में पुनः उपेक्षित जोहड़ न बन जाएं, इसके लिए अधिकारियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होगी। यह विचार हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर व्यक्त किए। डॉ. चौहान ने प्रतिभागियों को संकल्प दिलाया कि वे कम से कम एक अमृत सरोवर को गोद लेकर उसके संरक्षण और सौंदर्यीकरण की दिशा में कार्य करेंगे।

शहरी विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

करनाल। दिल्ली के बांसेरा में आयोजित प्रथम डीडीए ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने किया। दो दिवसीय इस एक्सपो में शहरी नियोजन, जलवायु परिवर्तन और हरित विकास पर मंथन किया गया। इस एक्सपो करनाल समेत एनसीआर क्षेत्र के कई उद्योगपति शामिल हुए। डीडीए ग्रीन्स लोगो और ईयरबुक 2026 का अनावरण भी किया गया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल प्रदर्शनियों तक सीमित नहीं, बल्कि हरित और स्वस्थ भविष्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र ने केंद्र सरकार को घेरा

करनाल। संसद की कार्यवाही के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच तीखा टकराव देखने को मिला। करनाल पहुंचे कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने आरोप लगाया कि सदन में विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी को अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया। लोकतंत्र में असहमति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी सहमति। सांसद ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा।

वित्तिय शिविर में सुरक्षित बैंकिंग पर विशेष जोर

इंद्री। ग्राम लवकरी में वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन सेंटर फॉर फाइनेंशियल लिटरेसी, करनाल द्वारा क्रिसिल फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। शिविर में ग्रामीणों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में एलडीओ केवल किशन, एलडीएम सुशील कुमार हिंदुजा, बैंक प्रबंधक मनीष कुमार व रंजीत कुमार, सीनियर मैनेजर विकास कुमार, वित्तीय सलाहकार राम किशन मंडल, मंजु पांचाल तथा मंजिता उपस्थित रहे।

आरोग्य चौपाल में 400 मरीज हुए लाभान्वित

करनाल। बूढ़ाखेड़ा और बड़ा गांव क्षेत्र में जनस्वास्थ्य को समर्पित शाह हॉस्पिटल द्वारा आरोग्य चौपाल के अंतर्गत एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना एवं समय पर रोगों की पहचान करना रहा। शिविर में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. हरजोत शाह, डॉ. हरवीन कौर, जनरल सर्जन डॉ. अनमोल सिंह अहलूवालिया, डॉ. शैलेंद्र रावल, डॉ भावेश, डॉ पुष्कल एवं एनेस्थीसिट डॉ. क्रांतिकार चिलुका ने अपनी सेवाएं दी।

केवीआईसी अध्यक्ष मनोज ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

खादी प्रदर्शनी में उमड़ा उत्साह 79 स्टॉल पर सजे स्वदेशी उत्पाद

कारीगरों को मशीनें व टूलकिट वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

करनाल। कारीगरों को टूलकिट व प्रमाण पत्र वितरित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा एचएसवीपी मैदान, सेक्टर-12 में आयोजित संयुक्त राज्य स्तरीय खादी मार्केटिंग एवं पीएमईजीपी प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ के वी आ ई सी अध्यक्ष मनोज कुमार ने करनाल की मेयर रेनू बाला गुप्ता की उपस्थिति में किया। 22 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और बिहार सहित विभिन्न राज्यों के उद्यमियों द्वारा 79 स्टॉल लगाए गए हैं। यहां खादी, ग्रामोद्योग, स्फूर्ति एवं अन्य इकाइयों के उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत 206 मशीनों एवं टूलकिट का वितरण किया गया। इनमें लेदर टूलकिट, विद्युत चालित चाक, इलेक्ट्रिशियन टूलकिट तथा अन्य उपकरण शामिल हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कारीगरों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि स्वावलंबन और स्वदेशी भावना का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों को अपनाने की अपील की। प्रदर्शनी में लाइव डेमो के माध्यम से देशी चरखा, कुम्हारी और अगरबत्ती निर्माण की प्रक्रिया भी दिखाई जा रही है।

खादी, ग्रामोद्योग व अन्य इकाइयों के उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने

खादी और ग्रामोद्योग की अहम भूमिका

अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है और लाखों लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि राज्य कार्यालय अंबाला के अंतर्गत 96 खादी संस्थाएं कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से लगभग 59 हजार से अधिक कारीगरों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत हजारों परियोजनाएं स्थापित की गई हैं, जिससे युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी आय

- हिमाचल से आए प्रगतिशील किसानों ने करनाल में सीखी उन्नत तकनीकें

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के झंडूत्ता ब्लॉक से आए सात प्रगतिशील किसानों के दल ने प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से करनाल का शैक्षणिक दौरा किया। किसानों ने वैज्ञानिकों और प्रगतिशील कृषकों से संवाद कर प्राकृतिक एवं पशुधन आधारित कृषि के व्यवहारिक मॉडल को समझा। यह जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र एवं डेयरी प्रशिक्षण केंद्र से जुड़े पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. दलीप गोसाईं ने दी। देशी पशुधन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने साहीवाल, गिर और राठी नस्ल की गायों को प्राकृतिक खेती की आधारशिला बताया।

करनाल। किसानों को संबोधित करते डॉ. दलीप गोसाईं। फोटो : हरिभूमि

रसायन मुक्त खेती के लिए प्रोत्साहित किया

डॉ. गोसाईं ने बताया कि हिमाचल प्रदेश की पहाड़ी भौगोलिक बनावट प्राकृतिक खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है। राज्य में लगभग दो लाख किसान परिवार 38 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में आंशिक या पूर्ण रूप से प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मक्का, गेहूं और कच्ची हल्दी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित कर किसानों को रसायन मुक्त खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर बैंक कालोनी में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

मंदिर में श्री बांके बिहारी जी, श्री खाटू श्याम जी व श्री सालासर महाराज जी की भव्य मूर्तियां स्थापित की गई हैं। तीन दिन चले कार्यक्रमों में विधि विधान पूर्वक पूजन कार्य किया गया। मंत्रोच्चारण कर देवी देवताओं का आहन किया गया। शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कालोनी वासी व अन्य श्रद्धालु शामिल रहे। यह जानकारी मंदिर समिति के प्रधान ताराचंद नागपाल ने दी।

करनाल। कार्यक्रम में भजनों पर झूमते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

'कौशल विकास' पर कार्यशाला आयोजित

करनाल। डॉ. गणेश दास महिला शिक्षण महाविद्यालय के मार्गदर्शन, परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा "कौशल विकास" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना तथा उन्हें व्यावसायिक कौशलों के प्रति प्रेरित करना था। प्राचार्या ने कहा कि वर्तमान समय में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि कौशल आधारित शिक्षा भी अत्यंत आवश्यक है।

आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार की दिशा में बढ़ने का दिया संदेश

भीष्म लाइब्रेरी के करीब 25 पाठकों को मिल चुकी नौकरी

हरिभूमि न्यूज ⏭घरौंडा

घरौंडा स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में 25 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हुआ।लाइब्रेरी के पाठक अंकित कुमार गगसीना का आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स सेंटर में ट्रेड्समैन मेट्स के पद पर लेह लद्धाख में चयन हुआ।शनिवार को अंकित मिठाई लेकर स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में पहुंचा जहां पर लाइब्रेरियन संदीप लोहट ने अंकित को मिठाई खिलाकर सरकारी जॉब में चयनित होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट ने बताया कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है जहां पर दर्जनों गांव के लगभग 80से 85 युवा हर रोज लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए आते हैं। लाइब्रेरी में अभी तक 25 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हो चुका है।

आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स सेंटर में ट्रेड्समैन मेट्स के पद पर चयनित अंकित कुमार गगसीना ने लाइब्रेरी पाठकों को मिठाई खिलाकर बांटी खुशी

सीएम विंडो की शिकायतों पर प्रशासन सख्त

- डीटीपी करनाल ने किया अल्फा इंटरनेशनल सिटी का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

करनाल की प्रतिष्ठित कॉलोनी अल्फा इंटरनेशनल सिटी में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर दर्ज लगभग 200 शिकायतों पर प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाया है। 5 जनवरी को सीएम विंडो पर आरडब्ल्यूए अल्फा के नेतृत्व में दर्ज इन शिकायतों के मद्देनजर जिला नगर योजनाकार कार्यालय ने कॉलोनी का विस्तृत फील्ड निरीक्षण किया। यह निरीक्षण गुंजन वर्मा, जिला नगर योजनाकार डीटीपी करनाल कार्यालय के नेतृत्व में किया गया। निरीक्षण में विभागीय जूनियर इंजीनियर, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, स्थानीय निवासी एवं मीडिया प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

शिकायतों की जांच करते हुए।

शिकायतें मुख्य रूप से सेक्टोरल सडक़ों के हैंडओवर, कम्युनिटी सेंटर के दुरुपयोग तथा मूलभूत सुविधाओं की खराब स्थिति से संबंधित थीं। निरीक्षण में उजागर हुए प्रमुख मुद्दे सेक्टोरल सडक़ों का हैंडओवर अधर में निरीक्षण के दौरान स्पष्ट हुआ कि कॉलोनी की सेक्टोरल सडक़ें अभी तक विधिवत रूप से हरियाणा सरकार को हस्तांतरित नहीं की गई हैं।

सड़क, स्ट्रीट लाइट और ड्रेनेज बदहाल

डीटीपी टीम ने कॉलोनी की मुख्य व आंतरिक सडक़ों का निरीक्षण किया, जिसमें जगह-जगह गड्ढे, टूटी पटरियां, अव्यवस्थित पार्क और जाम ड्रेनेज सिस्टम की गंभीर स्थिति सामने आई। जूनियर इंजीनियर की 11 फरवरी 2026 की रिपोर्ट में लगभग 90त्न स्ट्रीट लाइटें बंद पाई गईं, जिसकी जीपीएस कैमरा तस्वीरें मौके पर प्रस्तुत की गईं।

समाधान तक शिकायतें जारी रहेंगी

आरडब्ल्यूए अल्फा के अध्यक्ष प्रभजोत सिंह सिद्धू, उपाध्यक्ष डॉ. अर्जव शर्मा एवं सभी निवासियों ने संयुक्त रूप से कहा कि समस्याओं का पूर्ण एवं वैधानिक समाधान होने तक एक भी सीएम विंडो शिकायत बंद नहीं की जाएगी।

प्रशासन की अनदेखी पर 18 को हल्ला बोल प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

करनाल रिंग रोड पर सर्विस लेन की मांग को लेकर किसानों का धरना शनिवार को 9वें दिन में प्रवेश कर गया। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने दिनों बाद भी प्रशासन ने किसानों की सुध लेना जरूरी नहीं समझा। प्रशासन की इस घोर अनदेखी के खिलाफ किसानों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। धरने पर एकत्रित किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि अब आंदोलन को निर्णायक मोड़ पर ले जाया जाएगा। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान सुरेंद्र घुम्मन ने की। जबकि भाकियू जिला चेयरमैन यशपाल राणा विशेष रूप से धरने में पहुंचे। धरने को संबोधित करते हुए भाकियू जिला प्रवक्ता सुरेंद्र सांगवान ने ऐलान किया कि 18 फरवरी को सुबह 10 बजे देवी लाल चौक पर सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ हल्ला बोल विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान जोरदार ट्रैक्टर मार्च निकालकर सरकार और प्रशासन को किसानों की ताकत का अहसास कराया जाएगा।

धरना-प्रदर्शन करते हुए किसान।

सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ निकलेगा ट्रैक्टर मार्च

युगल गीत में शिवानी व आर्यन प्रथम

- राजकीय महाविद्यालय में युवा तरंग सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭इंद्री

शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा पंचकूला के सौजन्य से दो दिवसीय युवा तरंग सांस्कृतिक महोत्सव की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन से हुई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो सावित्री कांबोज व प्रो शेर सिंह कांबोज ने शिरकत की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ महेन्द्र सिंह बागी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों का समुचित एवं संपूर्ण विकास करने के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता हैं। मंच का संचालन डॉ दीपा व डॉ गुलाब सिंह ने किया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई।

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय में आयोजित युवा तरंग सांस्कृतिक महोत्सव में प्रस्तुति देती छात्राएं।

ये रहे परिणाम

भजन में अरुण, शगुन व रिंका ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुगम संगीत (पुरुष) मे अरुण प्रथम, लविश द्वितीय व आर्यन तृतीय स्थान पर रहे। सुगम संगीत (महिला) में शगुन, जसमीत व शिवानी क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। लोकगीत (पुरुष) में मयंक प्रथम व सौरव द्वितीय स्थान पर रहे। लोकगीत (महिला) में शगुन प्रथम,जसमीत द्वितीय व शिवानी तृतीय स्थान पर रही।

महाशिवरात्रि पर निकाली जाएगी शोभायात्रा

करनाल। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में काछवा के श्री कृष्णा मंदिर में श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास दीपमाला कथा के माध्यम से शिव महिमा का बखान कर रही हैं। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर कमेटी की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

श्री कृष्णा मंदिर प्रबंधक कमेटी के प्रधान गौतम बजाज ने ग्रामीणों व आसपास के गांवों के लोगों से अपील की कि शोभायात्रा में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ उठाएं। कथा सुनाते हुए दीपमाला जी ने कहा कि शिव की पूजा और भक्ति करने से ही हम कलियुग के पापों से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई भगवान शिव की पूजा हमेशा फलदायी होती है।

हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा में सुनीं लोगों की समस्याएं

- प्रयास है कि बजट सत्र पूरी तरह से सार्थक रहे : विस अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरिवन्द्र कल्याण ने घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए।

घरौंडा भोला कालोनी के लोगों ने गंदे पानी की निकासी, गलियों को पक्का कराना, कॉलोनी को वैध घोषित करवा कर सीवरेज की व्यवस्था कराने की मांग की। क्षेत्र के लोगों ने सरकारी अस्पतालों में हीमोफीलिया की पर्याप्त दवा उपलब्ध कराने की मांग की। नगला फार्म के बाशिंदों ने शेखपुरा पुलिया से रसुलपुर कलां तक के रास्ते और चौरा के लोगों ने हॉल व नाला पक्का करने की गुहार लगाई। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, नपा सचिव रवि प्रकाश, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, पूर्व पार्षद जय भगवान तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बजट सत्र 20 फरवरी से

इस मौके पर पत्रकारों द्वारा पूछे गए बजट सत्र संबंधी सवाल पर श्री कल्याण ने कहा कि 20 फरवरी से इसकी शुरुआत होगी। हरियाणा विधानसभा सचिवालय इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। पिछले दिनों अधिकारियों की बैठक लेकर सभी व्यवस्थाओं को सुचारू ढंग से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रयास रहेगा कि बजट सत्र सार्थक रहे। ज्यादा से ज्यादा चर्चाएं हों। अधिक से अधिक सदस्यों को अपनी बात रखने का मौका मिले। कई सदस्य गंभीर चर्चा के माध्यम से अच्छे सुझाव/समाधान लेकर आते हैं। ऐसी ही सार्थक चर्चा के माध्यम से लोगों की समस्याएं दूर होती है। उसी से प्रदेश के विकास का रोड मैप तैयार होता है।

ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं

- डीएवी पीजी कॉलेज में सात दिवसीय शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

डीएवी पीजी कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय दिन-रात शिविर के समापन पर इंद्री विधायक एंव चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने शिरकत की। विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि एनएसएस जैसे शिविर युवाओं में सामाजिक संवेदनशीलता, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

करनाल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए विधायक रामकुमार कश्यप व कुलपति एवं कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी। फोटो : हरिभूमि

शिविर के अनुभव साझा किए

एनएसएस इकाई द्वारा 8 फरवरी से 14 फरवरी तक बस स्टैंड के निकट स्लम क्षेत्र मजदूर बस्ती में की बीच जाकर उनको जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति, एनएसएस शिविर के अनुभव साझा किये। सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि द्वारा वितरित किये गए। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि को कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने स्मृति-चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

पर्व आर्य समाज स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य समारोह का आयोजन

आर्य समाज मंदिर में वैदिक यज्ञ, देशभक्ति भजन और संस्कारों से गूंजा सेक्टर-6

- 57 विद्यार्थियों ने लिया भाषण प्रतियोगिता में भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

आर्य केंद्रीय सभा करनाल द्वारा आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेक्टर-6 स्थित आर्य समाज मंदिर में पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति से यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें विद्वान आचार्यों ने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं से आहुतियां दिलवाईं। यज्ञ ब्रह्मा के रूप में आचार्य सोमदेव आर्य, पुरोहित शिव प्रसाद, निर्मल शास्त्री, धर्मप्रकाश शास्त्री और राजीव आर्य ने यज्ञ संपन्न करवाया तथा उपस्थित यजमानों को आशीर्वाद दिया। वातावरण वैदिक मंत्रों की पवित्र ध्वनि से गुंजायमान रहा। आर्य जगत के प्रसिद्ध भजनोपदेशक दिनेश पथिक ने अपने मधुर भजनों के माध्यम से ईश्वर, जीव और प्रकृति के गुण, कर्म और स्वभाव की सुंदर व्याख्या की।

करनाल। भाषण प्रतियोगिता में सम्मानित होते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

सभा के प्रधान आनंद सिंह आर्य ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।निर्णायक मंडल की भूमिका आचार्य विवेक चैतन्य, सुश्री शशि आर्या और पुरोहित राजीव आर्य ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन सुरजीत सुभरी ने किया। इस अवसर पर वीएन हांडा, बलदेव आर्य, कर्णवीर आर्य, गोपी आर्य, राकेश वर्मा, विक्रमजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं अध्यापक उपस्थित रहे।

सच्चाई का साथ दें

मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद मुकेश अरोड़ा ने कहा कि परमात्मा की सच्ची भक्ति से ही जीवन में श्रेष्ठ गुणों और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष शांति प्रकाश आर्य ने कहा कि मनुष्य को सदैव अच्छे और बुरे में अंतर पहचान कर सच्चाई का साथ देना चाहिए। भाषण प्रतियोगिता में करनाल के विभिन्न विद्यालयों के 57 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में यशिका (विद्योतमा पब्लिक स्कूल) प्रथम, प्रेम (गोल्डन पब्लिक स्कूल) द्वितीय और मन्नत (सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय) तृतीय रहे।

खबर संक्षेप

स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व मनाया

पानीपत। पानीपत के तहसील कैम्प कृष्ण नगर स्थित विक्टर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। वहीं विद्यार्थी पार्थी, मायरा ने भगवान शिव की महिला का वर्णन किया। जबकि विद्यार्थियों ने अपने नृत्य से भगवान शिव का गुणगान किया। इधर, प्रिंसिपल प्रियंका बठला ने विद्यार्थियों को महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए उन्हें परीक्षाओं की तैयारी में जुटने का आहवान किया। इधर, मंच संचालन इतिहास प्रवक्ता बलकार सिंह ने किया।

बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण किया

पानीपत। पानीपत के गांव गढ़ सरनाई में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर सरपंच जयपाल सैनी, फूलकुमार नंबरदार, शमशेर नंबरदार, गुरु रविदास सभा के प्रधान प्रवीण कटारिया, उपप्रधान रमेश अंबेडकर, कैशियर सतीश, अंबेडकर भवन कुलदीप नगर के प्रधान सुरजीत, सत्यवान, विनोद, भूप सिंह मान, प्रेम बौद्ध, उदयबौद्ध , सतबीर चंदौली, रामकेसर, राजेंद्र, राजपाल महाराज, सतीश, शुभकरण, सत्यनारायण, शीशपाल कश्यप आदि मौजूद रहे।

ड्रा के माध्यम से दिए जाएंगे 128 फ्लैट

पानीपत। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि हाउसिंग फॉर आल विभाग हरियाणा द्वारा जिला पानीपत में 128 फ्लैट ड्रा के माध्यम से दिए जाएंगे।, जिस बारे विभाग द्वारा जिला पानीपत में कुल 849 योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया की इस संबंध में समस्त जानकारी एचटीटीपीएसःएचएफएडॉटहरियाणा डॉटजीओवीडॉटइन पर उपलब्ध है।

मधुमक्खी पालन करें: उपायुक्त

पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मधुमक्खी पालकों के हित में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम उठाते हुए शहद को भावान्तर भरपाई योजना के अंतर्गत शामिल कर लिया है। इस पहल से न केवल शहद उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि मधुमक्खी पालकों को बाजार में उचित मूल्य न मिलने की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा भी प्राप्त होगी। इधर, डॉ. दहिया ने कहा कि मधुमक्खी पालन को अपना कर स्वरोजगार करना चाहिए।

कैंसर के विरुद्ध जागरूक किया

समालखा। हिमगिरि पब्लिक स्कूल में नवाचार, शैक्षणिक संवाद एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कोडिंग, रोबोटिक्स एवं एआई प्रदर्शनी से हुई। अभिभावकों ने विद्यार्थियों के मॉडल, तकनीकी कौशल एवं आत्मविश्वास की सराहना की। इस अवसर पर डा. विनीता गोयल सीनियर डायरेक्टर एवं एचओडी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी ने स्तन कैंसर के लक्षण, बचाव एवं समय पर जांच के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्य प्रमोद राठी व उपप्रधानाचार्य रितु लठवाल आदि उपस्थित रहे।

इसराना में मेडिकल कैंप 22 को

पानीपत। इसराना के खालसा प्रचार गुरुद्वारा संत भवन इसराना साहिब में 22 फरवरी को डा. संचित गोयल द्वारा निःशुल्क त्वचा, हेयर फॉल एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं, कैंप में दंत रोग विशेषज्ञ डा. पलक गोयल द्वारा भी नागरिकों के दांतों की जांच की जाएगी।

बच्चे पहली गुरु मां होती है

पानीपत। पानीपत के एकता विहार कॉलोनी स्थित ज्ञान गंगा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रतिभागी सम्मान समारोह हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि नगर निगम पार्षद प्रतिनिधि आशु शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे का पहला गुरू उसकी माता को माना जाता है। माता ही अपने बच्चों को हर प्रकार के संस्कार प्रदान करती है। इस अवसर पर बलजोर, मेहर जांगड़ा, काकू मलिक, मनीष शर्मा, नवाब शर्मा, संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

आर्य कॉलेज में डायस्पोरा, मेमोरी, होमलैंड विषय पर सेमिनार आयोजित

साहित्य में होमलैंड की तलाश वास्तव में खुद को तलाशना

विद्यार्थियों को शोध की बारीकियों से अवगत करवाया और स्मृति की महत्ता पर प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आर्य कॉलेज के प्राचार्या डॉ जगदीश गुप्ता, अतिथियों को स्मृति चिंह भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आर्य कॉलेज में अंग्रेजी विभाग और हरियाणा उच्चतर शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में साहित्य और समाज के गहरे संबंधों को टटोलते हुए डायस्पोरा, मेमोरी और होमलैंडः नेरेटीव ऑफ बिलोंगिग एंड एलिएनेशन विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। वहीं, आर्य कॉलेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र शिंगला, उपाध्यक्ष वीरेंद्र शिंगला व कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता ने सभी वक्ताओं और शोधार्थियों का कॉलेज प्रांगण में पहुंचने पर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार प्रिंसिपल, एमएन कॉलेज, शाहबाद मारकंडा ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारंभ करते हुए कहा कि डायस्पोरा केवल भौगोलिक विस्थापन नहीं है, बल्कि यह स्मृतियों के साथ जीने की एक निरंतर प्रक्रिया है। अपनी जड़ों से कटने का दर्द और नए परिवेश में खुद को ढालने की जद्दोजहद ही साहित्य को जन्म देती है। वहीं, प्रमुख वक्ता भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां से आए प्रोफेसर रवि भूषण ने होमलैंड की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे एक प्रवासी व्यक्ति हमेशा दो दुनियाओं के बीच अंतर्द्वंध बना रहता है। उन्होंने स्मृतियों को एक पुल बताया जो मनुष्य को उसके अतीत और वर्तमान से जोड़े रखती हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दयाल सिंह कॉलेज से आए सचिन एन. (एसोसिएट प्रोफेसर) ने संसाधन पुरुष के रूप में प्रवासी साहित्य के तकनीकी और भावनात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला। 'अकेलेपन' और 'पहचान के संकट' पर बात करते हुए कहा कि आज के वैश्विक युग में डायस्पोरा की कहानियां केवल विलाप नहीं हैं, बल्कि ये नए सांस्कृतिक मिलन की भी गाथाएं हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. मीनल तालस, डॉ. विजय सिंह, डॉ. अकरम खान, प्राध्यापिका सुमन शिंगला, रेखा, नेहा, ममता, निकिता, डिंपल, पंकज, दीपक समेत अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।

सेमिनार में 103 शोधार्थियों ने भाग लिया

आर्य कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि साहित्य में 'होमलैंड' की तलाश वास्तव में खुद की तलाश है। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. बरती विश्वास ने बंगाली डायस्पोरा बंगाली भद्र लोक और छोटा लोक से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय डायसपोरा होमलैंड के बीच अंतर्द्वंध को बारिकी से बताया। दूसरी ओर, आर्य कॉलेज की उपाचार्या अनुराधा सिंह ने सेमिनार के तकनीकी सत्रों का संचालन करते हुए कहा कि स्मृति और अकेलेपन के बीच जो संघर्ष एक प्रवासी झेलता है, वही इस विषय की आत्मा है। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध की बारीकियों से अवगत कराया और स्मृति की महत्ता पर प्रकाश डाला। वहीं, सेमिनार में 103 शोधार्थियों ने भाग लिया और विषय पर अपने विचार सांझा किए।

युवा इनेलो ने पार्टी अध्यक्ष अभय चौटाला का जन्मदिन मनाया

जनता की सेवा को समर्पित है इनेलो: डॉ. नैन

- अभय चौटाला ने रोहतक के जसिया में शिक्षण संस्थान निर्माण को एक करोड़ रुपये का दान किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला के जन्मदिन पर बच्चों को केक खिलाते हुए डॉ. नवीन नैन भालसी। फोटो : हरिभूमि

इनेलो युवा प्रधान महासचिव डॉ. नवीन नैन भालसी ने इनेलो सुप्रीमो चौधरी अभय चौटाला का जन्मदिवस मनाया। वहीं, डॉ. नवीन ने कहा कि अभय चौटाला ऐसे निर्भय नेता हैं जो सरकार की किसान विरोधी नीतियों का मुखर होकर विरोध करते हैं, किसानों के हितैषी उनसे ऊपर आज के समय में कोई दूसरा नेता नहीं हो सकता। इनेलो जनता की सेवा को समर्पित है। मोदी सरकार के तीन कृषि कानून के विरोध में अभय चौटाला एक ऐसे नेता थे जो किसानों के हित के लिए खुलकर आगे आए थे और हरियाणा के 90 विधायक में से एकमात्र विधायक जिन्होंने मौजूद विधायक पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि अजय चौटाला व इनेलो चौधरी देवीलाल व चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत है। वहीं, अभय चौटाला ने रोहतक के जसिया में शिक्षण संस्थान निर्माण को एक करोड़ रुपये का दान किया था। वहीं अब अभय चौटाला, प्रदेश सरकार द्वारा बिना किसी कारण के बुजुर्गों की सम्मान पेंशन काटने के विरोध में खड़े है।

विराट हिंदू सम्मेलन आज

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर सेक्टर-25 स्थित एंबियेंस गार्डन में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हागा। इस कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी अरुणदास, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुभाष आहूजा वर्तमान सामाजिक परिदृश्य एवं हिंदू समाज की एकता पर अपने विचार रखेंगे। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक एवं हुडा औद्योगिक सेक्टर-29 इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रधान श्रीभगवान अग्रवाल ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विभू पालिवाल, हरियाणा एनवायर्नमेंट मैनेजमेंट सोसाइटी के प्रदेशाध्यक्ष भीम राणा, दशहरा कमेटी के प्रधान रमेश माटा आदि भाग लेंगे।

खेल उत्सव 16 को

समालखा। समालखा के भापरा स्टेडियम में नेशनल स्टाइल कबड्डी लड़के व लड़कियां दोनों व दौड़ प्रतियोगिता, हरियाणा स्टाइल कबड्डी लड़कों की प्रतियोगिता, दौड़ प्रतियोगिता लड़के व लड़किया दोनों, 60 वर्ष से ऊपर 400 मीटर की रेस प्रतियोगिता एवं नेशनल स्टाइल कबड्डी लड़कियों का एक शो मैच का आयोजन 16 फरवरी को किया जा रहा है। खेल उत्सव में मुख्य अतिथि समालखा विधायक मनमोहन सिंह भडाना होंगे।

करियर उन्मुख कार्यशालाओं की श्रृंखला का सफल आयोजन

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में प्लेसमेंट एवं करियर गाइडेंस सेल एवं मेधा लर्निंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से करियर उन्मुख कार्यशालाओं की श्रृंखला का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं का संचालन मेधा लर्निंग फाउंडेशन की करियर ट्रेनर निधि द्वारा किया गया।

इंसान को जीवन जीने की कला सिखाता है धर्म : सरस्वती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। स्वामी दयानंद सरस्वती से आशीर्वाद लेते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

चित्रकूट धाम श्रीराम मंदिर अशोक विहार कॉलोनी श्री राम चौक कुटानी रोड पानीपत में भगवान श्री राम हनुमान जी महाराज मां दुर्गा राधा कृष्ण शिव परिवार की स्थापना विधिविधान से करवाई गई। वहीं, दिव्या ज्योति के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। धर्म इंसान को जीवन जीने की कला सिखाता है। इधर, बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार रुद्राभिषेक चित्रकूट धाम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के पंचम दिवस सत्र बृहदहवन पूजन किया गया एवं फलहारी भंडारा का आयोजन हुआ। इस शुभ अवसर पर स्वामी दयानंद सरस्वती, संजय बाबा, आचार्य लालमणि, आचार्य संदीप, आचार्य मुन्ना स्वामी, आचार्य शिवदत्त शुक्ल, आचार्य आदित्य मिश्रा, सतीश गौतम, सुरेश कौशिक, अश्वनी संधू, मेयर कोमल सैनी, पार्षद अजीत बिट्टू आशु शर्मा कुलदीप वर्मा, प्रवीण, विशाल मलिक, पंडित परशुराम, राहुल पांचाल, कौशल चौधरी, सोनू शर्मा, डॉ. मोहित, डॉ. रविंद्र रोहिल्ला, डॉ सूरज आदि मौजूद रहे।

छात्रों के साथ अभिभावकों ने भी दिखाया खेलों में दम

पानीपत। आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर विंग महर्षि दयानंद बाल गुरुकुल में विद्यार्थी कम अभिभावक स्पोर्ट्स डे का आयोजन हुआ। वहीं, विद्यालय के प्रबंधक रामपाल जागलान, प्रबंधक समिति के सदस्य मेहर सिंह, राजेश घनगस, डॉ सुरेंद्र, प्राचार्य मनीष घनगस ने बताया कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया गया, जिसमें बच्चों के साथ साथ अभिभावकों ने भी खेल गतिविधियों में भाग लिया। वहीं, महर्षि दयानंद बाल गुरुकुल में वैदिक परम्परा के साथ आधुनिक शिक्षा दी जा रही है।

भाषा पर अपनी पकड़ बनाएं विद्यार्थी

- आईबी कॉलेज में भाषा विज्ञान के प्रयोजन पर विचार गोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आईबी कॉलेज की विजेता छात्राएं, डॉ. शर्मीला यादव के साथ।

आईबी स्नातकोतर महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा भाषा विज्ञान के प्रयोजन पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। वहीं, प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक ने कहा कि यहां सर्वप्रथम इस तथ्य की ओर ध्यान आकृष्ट करना आवश्यक है कि भाषा के अध्ययन का लक्ष्य या प्रयोजन तथा भाषा विज्ञान के अध्ययन के प्रयोजन में मौलिक अंतर है। जिस प्रकार काव्य के अध्ययन के प्रयोजन में और काव्य शास्त्र के अध्ययन के प्रयोजन में मौलिक अंतर है, उसी प्रकार भाषा अध्ययन के लक्ष्य और प्रयोजन दो सर्वथा भिन्न बातें है। वास्तविकता यह है कि व्यक्ति अपने जीवन और व्यवहार में दक्षता लाने हेतु अथवा अपनी अभिव्यक्ति को प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से भाषा का अध्ययन करता है, जिससे उसे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सफलता मिलती है, किन्तु भाषा विज्ञान के अध्ययन का प्रमुख प्रयोजन है भाषा अथवा भाषाओं की संरचना का गंभीर ज्ञान प्राप्त करना। भाषा, पढ़ना, सीखना और अभिव्यक्ति की प्रभाववत्ता के कौशल के साथ उसका सर्जनात्मक प्रयोग करना एक कला है, जबकि भाषाविज्ञान भाषा की संरचना का विज्ञान है और उसके अध्ययन का प्रयोजन है उस विज्ञान में अधिक से अधिक दक्षता प्राप्त करना।

पानीपत की महिला खो-खो टीम ने सिल्वर जीता

पानीपत। खेल विभाग हरियाणा की ओर से जिला पलवल में राज्य स्तरीय सीएम कप खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिला पानीपत की महिला वर्ग ने फाइनल मुकाबला में हिसार को टक्कर देते हुए मात्र एक अंक से पराजित होकर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। वहीं, विजेत टीम का पानीपत जिला खो-खो संघ के महासचिव रविंद्र सैनी, नवीन सिंह सरपंच ग्राम पंचायत मनाना, बीईओ समालखा सरिता देवी, वीरेंद्र डीपी, मुकेश कुमारी, शशि सैनी, दिनेश गौतम तथा रेफरी बोर्ड हरियाणा के अध्यक्ष मोहिंद्र सिंह आदि ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। वहीं खिलाडियों के खेल निखारने के लिए खो-खो संघ की ओर से हर संभव सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।

सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का ऐलान

- कांग्रेस के दबाव के चलते भाजपा सरकार ने पेंशन बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। पानीपत में मीडिया से वार्ता करते हुए सांसद दीपेंद्र हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों की पेंशन काटनी शुरू करी तो हमने सोनीपत में विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर दिया। वहीं, कांग्रेस के आंदोलन के दबाव के चलते बीजेपी सरकार ने बुढ़ापा पेंशन काटने का फैसला पलटा और काटी गई सारी पेंशन दोबारा से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के संघर्ष की जीत है। भाजपा ने अगर भविष्य में दोबारा ऐसा करने का प्रयास किया तो सीधे चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बीजेपी सरकार को चेतावनी दी कि जनता को दरकिनार करके अगर कदम बढ़ाएगी तो उसके सामने टक्कर का मजबूत विपक्ष खड़ा है। कांग्रेस, बुजुर्गों की पेंशन कटने नहीं देगी। आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार अपने बारह साल के कार्यकाल में जनता की अनदेखी की। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ग्रामीण रमेश मलिक, सचिन कुंडू, कंवल सिंह , पूर्व मंत्री बिजेंद्र कादियान, पूर्व विधायक बलबीर आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

पांच किलोमीटर साइकिल दौड़ में तमन्ना प्रथम

पानीपत। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर में आयोजित खंड़ स्तरीय महिला खेल कूद प्रतियोगिता की पांच किलोमीटर साइकिल दौड़ में तमन्ना छिछड़ाना प्रथम रही व म्यूजिकल चेयर में रीना कारद ने बाजी मारी। प्रतियोगिता की विजेता रही महिला खिलाड़ियों को विभाग की सीडीपीओ सुरेश बाला ने नगद प्रोत्साहन राशि दे कर सम्मानित किया। सीडीपीओ सुरेश बाला कहा कि खेलों के दम पर महिलाओं ने विश्व पटल पर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह व दहेज प्रथा जैसी समाज में फैली बुराईयों को जड़ से समाप्त करने के लिए महिलाओं को आगे आना चाहिए। वहीं, कार्यक्रम में सीडीपीओ सरोज बाला ने विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारें में विस्तार से समझाया। प्रतियोगिता में विजेताओं को नगदी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुपरवाइजर मोहिनी, संजना, मंजू, विनती, प्रीति, उर्वशी, लिपिक सुरजीत सिंह, लेखाकार जयदीप, प्रवेश, गुलशन उपस्थित रहे।

पानीपत। सीडीपीओ सरोज बाला, विजेता महिलाओं को पुरस्कृत करते हुए।

आर्य कॉलेज में सामाजिक जागरूकता व राष्ट्र निर्माण पर एनएसएस कैंप आयोजित

मानवता की सेवा को अपने अंदर सुदृढ़ करें विद्यार्थी: डॉ. जगदीश

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आर्य कॉलेज में एनएसएस कैंप में भाग लेते स्वयं सेवी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आर्य पीजी कॉलेज, पानीपत की एनएसएस इकाई द्वारा "सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण" विषय पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन हुआ। वहीं, शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना था। वहीं, प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेवकों के लिए योग सत्र आयोजित किया गया। आयुष विभाग से आई प्रशिक्षक नीलिमा एवं राहुल ने विद्यार्थियों को योग, प्राणायाम, संतुलित आहार एवं ध्यान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सूर्य नमस्कार, श्वास-प्रश्वास क्रियाएं, गर्दन, हाथ एवं पैरों के व्यायाम, त्रिकोण आसन, कटि आसन तथा विभिन्न प्राणायाम जैसे कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करवाया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान दिया

योग सत्र के उपरांत अधिवक्ता संजय कुमार द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर बुलिंग, तथा विभिन्न सुरक्षा एप्लीकेशनों जैसे संचार साथी, साइबर स्वच्छता केंद्र, एम-कवच एवं साइबर क्राइम सुरक्षा सेल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने साइबर अपराध से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए और समाधान के उपाय सीखे। इधर, सांयकालीन सत्र में विद्यार्थियों को प्रेरणादायक लघु फिल्म "आई एम कलाम" दिखाई गई। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने कहा कि ऐसी प्रेरणादायक फिल्में विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण एवं सकारात्मक सोच का विकास करती हैं। वहीं, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीषा नागपाल व आस्था गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने कातिलाना हमलावर पकड़ा

पानीपत। थाना शहर पुलिस ने रेलवे रोड पर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने मामले में शुक्रवार को एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना शहर प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश ने बताया कि गोपाल कालोनी निवासी मुकेश पुत्र हरिचंद की शिकायत पर केस दर्ज है। पुलिस ने नाबालिग आरोपी को अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। जुवेनाइल कोर्ट ने आरोपी को बाल सुधार गृह मधुबन भेज दिया।

चेक बाउंस केस का भगौड़ा पकड़ा

पानीपत। थाना शहर पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में न्यायालय से पीओ घोषित चंडीगढ़ निवासी सेक्टर 56 निवासी केतन को गिरफ्तार किया है। थानेदार मुकेश ने बताया कि चेक बाउंस के दो अलग अलग मामले में न्यायालय में निर्धारित तारिखों पर ना पहुंचने पर केतन को नवंबर सन् 2024 में पीओ घोषित किया गया था।

खबर संक्षेप

स्वयंसेवकों ने योग सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया

शहजादपुर। राजकीय महाविद्यालय की तीनों एनएसएस इकाइयों द्वारा ग्राम कुलडपुर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम दिन की शुरुआत प्रातःकालीन प्रार्थना से हुई। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने एनएसएस गीत प्रस्तुत किया और योग सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन सत्र का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रार्थना डॉ. सुमन लता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार रहे। ग्राम कुलड़पुर की सरपंच परमजीत कौर एवं ग्राम के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाई। मंच संचालन एनएसएस स्वयंसेवक खुशदीप एवं शायना द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

लाभकारी फसलों को अपनाने को किया प्रेरित

अंबाला। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की तरफ से फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने हेतू राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गांव रच्छेडी में जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अतंर्गत फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने हेतू एक भव्य किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-2 वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

गांजा तस्करी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने बीते रोज सूचना के आधार पर अंबाला छावनी के बंदरी वाला मंदिर से आरोपी को भारी मात्रा में नशीला पदार्थ सहित काबू किया था। पकड़े गए आरोपी प्रमोद जयसवाल के कब्जे से 5 किलो 444 ग्राम पदार्थ गाजा बरामद किया गया था इसी मामले में अब जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य आरोपी मुमताज वासी गांव सीमराही बाजार बिहार को गिरफ्तार किया है।
सीआईए-2 प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा। उन्होंने बताया कि आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर 01 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

विदेशी नागरिक का बैग चोरी, मामला दर्ज

अंबाला। हिमाचल प्रदेश के वाकनाघाट से ट्रेन पकड़ने आए एक जांबिया मूल के छात्र का छावनी के रेलवे स्टेशन पर बैग चोरी हो गया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जॉर्ज म्वीने के मुताबिक बैग में कीमती सामान, कपड़े और जांबियाई पासपोर्ट भी था। विदेशी छात्र ने जीआरपी को दी शिकायत में बताया कि वो सोलन जिले के वाकनाघाट में रहता है। उसे 20 जनवरी को सुबह 8 बजे दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरनी थी। हिमाचल से अंबाला पहुंचने के बाद वह ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पर पहुंचा था। इस दौरान चोरों ने उसका बैग चोरी कर लिया। बैग में जांबियाई पासपोर्ट के अलावा ग्रीन नेशनल जांबियाई पहचान पत्र, पॉवरबैंक, कपड़े और जूते रखे थे। पीड़ित ने घटना की शुरुआती सूचना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दी थी जहां जीरो एफआईआर दर्ज की गई। चूंकि वारदात अंबाला कैंट क्षेत्र की थी इसलिए अब इसे जीआरपी थाना अंबाला कैंट को स्थानांतरित कर दिया गया है।

शिव मंदिर से 50 हजार की नकदी चोरी

अंबाला। नूरपुर गांव के शिव मंदिर व गोगामाडी में चोरी हो गई। शातिर चोर गल्ले तोड़कर 40 से 50 हजार रुपये की नकदी व मंदिर का सामान चोरी कर भाग गए। चोरों ने 9 फरवरी की रात वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मंदिर की देखरेख करने वाले शीशपाल की शिकायत पर तीन से चार अज्ञात युवक पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। चोर मंदिर की सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

आरोप: नशे में धुत हेडकांस्टेबल को बचाती रही पुलिस

निकिता की मौत के बाद मंत्री के सामने फूट-फूटकर रोया परिवार

एसपी को शराब पीकर कार चलाने वाले हेडकांस्टेबल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस करवाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

हादसे में जान गंवाने वाली 24 वर्षीय निकिता बजाज के परिजनों ने शनिवार को मंत्री अनिल विज से मुलाकात की। इस दौरान निकिता की मां व दूसरे परिजन मंत्री के सामने फूट-फूट कर रोए। परिजनों का आरोप था कि उनकी बेटी को कार से कुचलने वाले आरोपी पुलिस जवान को कुछ देर में ही जमानत मिल गई। अंबाला शहर के करतार नगर की रहने वाली निकिता की मां के आंसू देखकर मंत्री विज ने एसपी अजीत शेखावत से फोन पर बात की। उन्होंने आरोपी पुलिस कर्मी के खिलाफ गैर इरादत हत्या की धारा लगाने के आदेश दिए। आरोप है कि हेड कांस्टेबल ने नशे में होंडा सिटी कार चलाते हुए ई-रिक्शा को टक्कर मार दी थी। इसी हादसे में निकिता की जान चली गई। गुरुग्राम में जॉब करने वाली निकित ई-रिक्शा से गिर गई थी। इसके बाद कार उसके ऊपर से गुजर गई। तब भीड़ ने हेड कांस्टेबल को पकड़ कर उसकी जमकर धुनाई की थी। बेटी की मौत पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया था।

अंबाला। पीड़ित परिवार से बातचीत करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन

24 वर्षीय निकिता अंबाला शहर के करतार नगर की रहने वाली थीं। एयर हॉस्टेस का कोर्स करने के बाद वह गुरुग्राम की मैक्स इंटरनेशनल कंपनी में नौकरी कर रही थीं। परिजनों के अनुसार वह हाल ही में अंबाला आई थीं। परिवार में शादी का माहौल था, लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार को शोक में डूबो दिया परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपी पुलिसकर्मी नशे में था और पुलिस उसे बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मांग की कि आरोपी का मेडिकल परीक्षण निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराया जाए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आरोपी हेड कांस्टेबल के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इन शिकायतों पर भी निर्देश दिए

मंत्री अनिल विज को सुंदर नगर से आई महिला ने शिकायत देते आरोप लगाया कि उसने अपना प्लाट एक व्यक्ति को बेचा था, मगर व्यक्ति ने कुछ राशि दी जबकि शेष 2.80 लाख रुपए की राशि वह व्यक्ति उसे नहीं दे रहा है। इस मामले में मंत्री अनिल विज ने पड़ाव थाना पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। बोहे से आए युवक ने शिकायत देते हुए कहा कि उसे एक एजेंट ने यूरोप भेजने का झांसा दिया था। एजेंट ने कहा था कि वह तीन यूरोप के तीन देशों का वीजा लगवा सकता है। इसकी एवज में उसने लगभग 6 लाख रुपए की राशि एजेंट को दी। मगर इसके बाद न तो उसे यूरोप भेजा गया न ही वीजा लगा। उसने बताया एजेंट ने उसे कुछ राशि लौटाई मगर अब भी 4.86 लाख रुपए की राशि एजेंट द्वारा उसे अब तक नहीं दी गई है।

हेड़कांस्टेबल पर हो ठोस कार्रवाई

मंत्री अनिल विज ने मुलाकात के दौरान एसपी अजीत सिंह शेखावत को फोन किया। कहा कि एसपी साहब शराब के नशे में गाड़ी चलाकर युवती को कुचलने वाले हेडकांस्टेबल के खिलाफ ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की? उसे इतनी जल्दी जमानत कैसे मिल गई? धाराएं कमजोर लगाई हैं इसलिए उसे जमानत मिल गई है? एसपी को कहा कि सारा परिवार मेरे यहां खड़ा हुआ है... ये कह रहे हैं कि हमारे साथ इंसाफ नहीं हुआ। विज ने कहा कि जब ये एसएचओ कह रहा है कि उसने शराब पी रखी है, उसकी रिपोर्ट में भी आ गया। इसके बाद विज ने परिवार को एसपी के पास भेज दिया। बता दें कि हादसा 11 फरवरी देर शाम काली पलटन पुल के पास हुआ। बलदेव नगर चौकी में तैनात ईएचसी अमित कुमार अपनी होंडा सिटी कार से कैंट से सिटी की ओर जा रहा था। गुरुग्राम में बड़ी कंपनी में काम करने वाली निकिता एक शादी में शामिल होने अपने घर आई थी। निकिता ई-रिक्शा में भाई हर्ष के साथ बैठकर जा रही थी। ई-रिक्शा में कुल चार सवारियां थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद निकिता सड़क पर गिर गई और कार का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया।

हरियाणा वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियां पोर्टल पर अपलोड

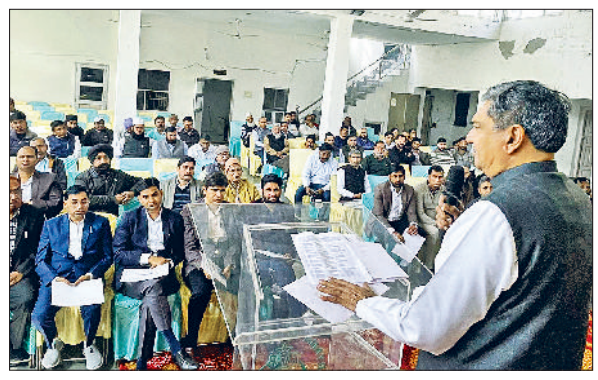

अंबाला। मुख्यालय में आयोजित सभा को संबोधित करते चौधरी जाकिर हुसैन।

- बोर्ड की ओर से समय से पहले काम पूरा करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

हरियाणा वक्फ बोर्ड मुख्यालय में शनिवार को हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक व पूर्व विधायक चौधरी जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन हुआ। इसमें वक्फ बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य वक्फ एक्ट 2025 के तहत किए गए प्रावधान के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए उम्मीद पोर्टल पर हरियाणा वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियों को अपलोड करना था। वक्फ बोर्ड के प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद शाईन के मार्गदर्शन में बोर्ड के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा दिन-रात मेहनत करके समय से पूर्व ही इन सम्पत्तियों को पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किए गया यह एक अभूतपूर्व व सराहनीय कार्य रहा। प्रशासक ने इस कार्य से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी को सम्मानित करने के लिए मुख्यालय में एक सभा का आयोजन किया। इन सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

सीएम का जताया आभार

प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा वक्फ बोर्ड को सुचारू रूप से चलाने में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का आशीर्वाद मिला। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बोर्ड बहुत शानदार तरीके से चल रहा है। इसके लिए उन्होंने मनोहर लाल व सीएम नायब सिंह सैनी का आभार जताया। हुसैन ने सरकार के आला अधिकारियों का भी आभार जताते कहा कि उनका भी पूरा सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र वितरित किए गए। उल्लेखनीय हैं कि हरियाणा वक्फ बोर्ड को अपनी सभी संपत्तियों को अपलोड करने के लिए 6 माह का समय दिया गया था।

दस एकड़ में बनेगा खेल स्टेडियम 28 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार

- उगाड़ा बाड़ा के साथ आसपास के गांवों के युवाओं को मिलेंगी शानदार खेल सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला सदर नगर परिषद की ओर से उगाड़ा-बड़ा क्षेत्र में एक आधुनिक खेल स्टेडियम के निर्माण की कार्रवाई शुरू हो गई है। करीब 27.93 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्रोजेक्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। खेल स्टेडियम के लिए लगभग 10 एकड़ की जगह नगर परिषद के अधीन पड़ी हुई है। इस जगह पर पहले गोशाला के निर्माण की योजना थी लेकिन बाद में इसे खेल मैदान में परिवर्तित करने का खाका तैयार किया गया। प्रोजेक्ट के लिए नियुक्त कंसल्टेंट ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट नगर परिषद को सौंप दी है। फिलहाल प्रशासन के उच्चाधिकारियों द्वारा इस रिपोर्ट की बारीकी से जांच की जा रही है। तकनीकी पहलुओं और बजट के प्रावधानों को परखने के बाद इसे अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा जाएगा।

खिलाड़ियों को मिलेंगी सुविधाएं

इस खेल स्टेडियम बनने से क्षेत्र के गांवों और शहरी इलाकों के युवाओं को लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि इस स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। नगर परिषद के अधिकारियों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट अंबाला सदर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डीपीआर की जांच प्रक्रिया पूरी होते ही काम में तेजी लाई जाएगी, ताकि जल्द से जल्द खिलाड़ियों को यह सौगात मिल सके। कार्यकारी देवेंद्र नरवाल ने बताया कि उगाड़ा-बाड़ा में बनने वाले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को लेकर डीपीआर तैयार हो गई है। अब तकनीकी पहलुओं और बजट के प्रावधान पर मंथन चल रहा है, जल्द ही इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा जाएगा।

विद्यार्थियों ने आकर्षक-ज्ञानवर्धक मॉडल बनाए

- श्री विश्वकर्मा हाई स्कूल में मातृ-पितृ पूजन दिवस पर किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

श्री विश्वकर्मा हाई स्कूल सोहाना में शनिवार को मातृ-पितृ पूजन दिवस एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों तथा माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करना था। इस अवसर पर बच्चों ने अपने माता-पिता का तिलक लगाकर एवं पुष्प अर्पित कर सम्मान किया। भावुक माहौल में कई अभिभावक अपने बच्चों के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से अभिभूत नजर आए। इसी के साथ विद्यालय परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई गई। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था। अभिभावकों ने मॉडलों का अवलोकन कर बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

बराड़ा। अपने माता-पिता का सम्मान करते स्कूली बच्चे।

स्टाफ का आभार जताया

विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम धीमान ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस बच्चों को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का एक सुंदर माध्यम है। बताया कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को मंच मिला है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रधानाचार्या ने समस्त शिक्षकगण और गैर-शिक्षण स्टाफ का आभार व्यक्त किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कैथल। राजकीय स्कूल सोंगल के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृष्ण प्रजापति।

कम्युनिकेशन स्किल्स अत्यंत आवश्यक

कैथल। पीएम श्री रावमावि सौंगल में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें युवा पत्रकार कृष्ण प्रजापति ने छात्र-छात्राओं से रूबरू होकर वर्तमान समय में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज के डिजिटल दौर में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण सूचना का प्रवाह पहले से अधिक तेज और व्यापक हो गया है। उन्होंने मीडिया के प्रकारों, उसकी जिम्मेदारियों और समाज में उसकी सकारात्मक भूमिका पर प्रकाश डाला। कृष्ण ने कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद क्षमता न केवल शैक्षणिक जीवन में बल्कि भविष्य के करियर निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

थानेसरः प्रभातफेरी में भजनों की गूंज से सारा वातावरण भक्ति रस में डूबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ थानेसर

होली के उपलक्ष्य में श्रीकृष्ण कृपा गौशाला सेवा समिति द्वारा सेक्टर 8 हाऊसिंग बोर्ड में सतपाल राम एडवोकेट के निवास स्थान पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के आयोजक परिवार से सतपाल राम, शीला रानी, खुशी कुमारी, पारूल कुमारी, विजय सिंह सहित वेदपाल, नरेश कुमार, तरविन्द्रजीत सिंह, गुरमेश सिंह, बलवान सिंह, शमशेर सिंह, संजीव जंगम, आर्यन तथा समिति के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। आयोजकों की ओर से प्रभात फेरी की बड़ी सुंदर व्यवस्था की गई थी। होली खेलनी ए आज तेरे नाल वृन्दावन रहन वालेया...जैसे भजनों का श्रद्धालुओं ने खूब आनंद उठाया और ठाकुर जी की युगल जोड़ी के सामने जमकर नाचे। भजनों की गूंज से सारा वातावरण भक्ति रस में डूब गया। ठाकुर जी की आरती के साथ प्रभात फेरी संपन्न हुई। आयोजक परिवार को समिति के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।

थानेसर। प्रभातफेरी के आयोजक सतपाल राम के परिजनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए समिति के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पीडब्लयूडी विश्राम गृह में लोगों से रूबरू होते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

विधायक ने रैली स्थल का लिया जायजा

उचाना। हाइवे स्थिति उचाना की अतिरिक्त अनाज मंडी में 18 फरवरी को सीएम नायब सिंह सैनी धन्यवाद एवं उचाना विकास रैली को संबोधित करने आ रहे है। रैली के आयोजक विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री रैली को सफल बनाने के लिए कमान संभाले है। रैली की तैयारियों का जायजा लेने वाले रैली स्थल पर भी पहुंचे। वो मीटिंग कर रहे है तो सरपंचों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, युवाओं के साथ आमजन से सुझाव जो मांग पत्र तैयार होगा उसको लेकर मांग रहे है। प्रशासन पूरी तैयारियों में जुटा है। साफ-सफाई साथ अन्य सुविधाओं का प्रबंधन किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी दौरे निरंतर कर रहे है। पत्रकार वार्ता में विधायक दावा किया कि ये दिन उचाना के लिए ऐतिहासिक दिन होगा। ये रैली इतिहास बनाने का काम करेगी ये पूरा विश्वास है।

मुख्य बाजारों से होकर निकली शोभायात्रा, फूल बरसा कर किया अभिनंदन

महाशिवरात्रि : भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

माजरा में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की शोभायात्रा भोलेनाथ के जयकारों के साथ धूमधाम से निकाली गई। यह शोभायात्रा भोलेनाथ की बारात के रूप में निकाली गई। कस्बा में भक्तों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा करके स्वागत किया।शोभायात्रा में बाहर से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सुंदर सुंदर झांकियों ने सबका मन मोह लिया। राधाकृष्ण मंदिर से भगवान भोलेनाथ की शोभायात्रा पूजा-अर्चना के बाद शुरू हुई। शोभायात्रा में शामिल पालकी में भगवान भोलेनाथ के प्रतीक शिवलिंग को लेकर भक्त चल रहे थे। जगह-जगह भक्तों ने पालकी पर पुष्प वर्षा करके भोलेनाथ का स्वागत किया और साथ ही कस्बा में जगह जगह प्रशाद भी वितरित किया गया। शोभायात्रा में बाहर से आये कलाकारों ने भोलेनाथ के परिवार व सेना के स्वरूप मनमोहक प्रस्तुतियां दे रहे दी। इस दौरान श्रद्धालु भोलेनाथ के भजनों नंदी पर होकर सवार शिव जी चले गोरा ब्याहने, आओ महिमा गाएं भोलेनाथ की भक्ति में खो जाएं। बारात के मुख्यबाजार में पहुंचने पर शिव विवाह का दृश्य भी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। शोभायात्रा शहजादपुर व माजरा के मुख्य बाजर व विभिन्न मार्गों से होती हुई वापिस राधाकृष्ण मंदिर पहुंची। इस दौरान सैंकड़ों श्रद्धालु साथ थे। कस्बे में जगह जगह प्रसाद वितरित किया।

शहजादपुर। शोभायात्रा के दौरान करतब दिखाते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम का आयोजन

अंबाला। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर कुरड़ी वाले महाराज के सानिध्य में निराकार परब्रह्म ओंकार स्वरूप 1008 शिवलिंगों की स्थापना के भूमि-पूजन के अवसर पर आयोजित यह यात्रा 15 फरवरी 2026 को श्री शिव-शक्ति ओंकार दरबार, हाउसिंग रोड, आर्मी एरिया से प्रारंभ होगी। ओंकार दरबार के अध्यक्ष स्वामी संदीप ओंकार ने बताया कि रूद्रावतार संत महर्षि दुर्वासा-आत्मा कुरडी वाले महाराज श्रीजी के पावन सानिध्य में आयोजित इस यात्रा का संचालन समाजसेवी अंजली डीके बंसल के संयोजन में किया जाएगा। बताया कि यह रथयात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी और श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के रंग में सराबोर करेगी। रथयात्रा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की सुसज्जित झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो उठेगा। उन्होंने बताया कि 1008 शिवलिंगों की स्थापना का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना और जनकल्याण की भावना को सशक्त बनाना है। कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और साधना का संदेश देने वाला पावन अवसर है।

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

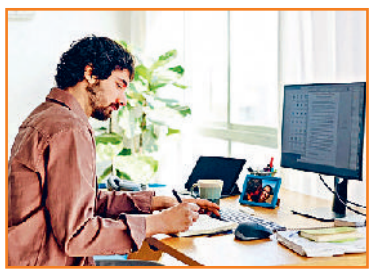

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दूनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

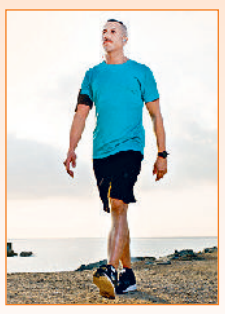

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

हयूमन नेचर

शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

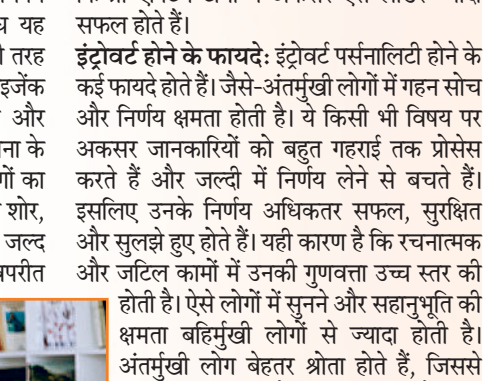

वासंती दोहे

घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की हाट।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, श्रीशैलम

अन्नामलाईयार मंदिर, तिरुवन्नामलाई

मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर, मदुरै

धार्मिक स्थल
शिखर चंद जैन

आज पूरे देश में महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देश भर के शिव-शक्ति मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है। इस मौके पर हम आपको दक्षिण भारत में स्थित कुछ प्राचीन, भव्य और प्रसिद्ध शिव मंदिरों की विशेषताओं के बारे में बता रहे हैं। साथ ही गुजरात में स्थित अनोखे स्तंभेश्वर महादेव मंदिर के बारे में भी बता रहे हैं।

महादेव शिव-पार्वती को समर्पित भव्य-अनोखे-प्रसिद्ध मंदिर

जिस तरह उत्तर भारत में स्थित महाकालेश्वर, काशी विश्वनाथ, नागेश्वर महादेव, वैद्यनाथ आदि शिव मंदिरों के प्रति श्रद्धालुओं में असीम श्रद्धा है। उसी तरह दक्षिण भारत में भी कई अनोखे और भव्य मंदिर स्थित हैं। प्राचीन भारत में चोल, पल्लव और चालुक्य जैसे कई राजवंशों ने लंबे समय तक दक्षिण भारत पर शासन किया। अपने शासनकाल में उन राजाओं ने देवों के देव महादेव भगवान शिव के अत्यंत भव्य मंदिरों का निर्माण कराया। इन मंदिरों की अनोखी वास्तुकला दुनिया भर के पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करती है। इनमें से कुछ मंदिर देश में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में भी सम्मिलित हैं। ये प्राचीन मंदिर श्रद्धालुओं और शिव भक्तों की आस्था के प्रमुख केंद्र हैं।

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, श्रीशैलम, आंध्र प्रदेशः यह शिव मंदिर आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम नामक छोटे से शहर में कृष्णा नदी के किनारे स्थित है। सातवाहन शासनकाल के इतिहास के अनुसार इस मंदिर का निर्माण काल द्वितीय शताब्दी के आस-पास माना जाता है। बाद में विजय नगर साम्राज्य के राजाओं और छत्रपति शिवाजी महाराज ने इस मंदिर में मंडप सहित कई संरचनाओं का निर्माण करवाया। यह मंदिर नल्लामलाई पहाड़ियों पर स्थित है, जो मंदिर को एक सुंदर पृष्ठभूमि प्रदान करता है। दक्षिण भारत में स्थित मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर की एक और विशेषता यह भी है कि यह देवी सती के 52 शक्ति पीठों में से एक है। यहां भगवान शिव की मल्लिकार्जुन अवतार में और माता पार्वती की भ्रामरंबा रूप में पूजा की जाती है। यहां महाशिवरात्रि, उगादि, कार्तिकाई, श्रवणमहोत्सवम धूमधाम से मनाते हैं।

तट मंदिर, महाबलीपुरम

तट मंदिर, महाबलीपुरम, तमिलनाडुः तट मंदिर दक्षिण भारत के सबसे पुराने संरचनात्मक मंदिरों में से एक है। यह परिसर बंगाल की खाड़ी के तट पर तमिलनाडु के महाबलीपुरम में समुद्र के किनारे स्थित है। इसे अपनी द्रविड़ वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय (राजसिंह) द्वारा ग्रेनाइट पत्थरों से कराया गया। इसके परिसर में तीन मंदिर हैं, जिनमें से दो भगवान शिव को और एक भगवान विष्णु को समर्पित है। मुख्य मंदिर पूर्व दिशा की ओर इस तरह से निर्मित है, जिससे सूर्योदय की किरणें शिवलिंग तक पहुंच सकें। सन् 1984 में इस मंदिर को महाबलीपुरम में स्मारकों के समूह के हिस्से के रूप में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

अन्नामलैयार मंदिर, तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडुः तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई शहर में स्थित अन्नामलैयार मंदिर बहुत प्रसिद्ध शिव मंदिर है। अरुणाचल पहाड़ियों की तलहटी में स्थित होने के कारण इसे अरुणाचलेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। यह पंचभूत स्थलों में से एक है, जहां भगवान शिव अग्नि तत्व के रूप में विराजमान हैं। शिवलिंग को अग्निलिंग भी कहा जाता है और यहां भगवान शिव की पूजा अरुणाचलेश्वर के रूप में की जाती है। अन्नामलैयार मंदिर परिसर भारत के सबसे विशाल मंदिर परिसरों में से एक है। इस मंदिर का 11 मंजिला गोपुरम भारत के सबसे ऊंचे मंदिर गोपुरमों में से एक है, जिसकी ऊंचाई 66 मीटर है। इस मंदिर के मुख्य देवता अरुणाचलेश्वर और अन्नामलाई अम्मन हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह मंदिर अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए जाना जाता है।

मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर, मदुरै, तमिलनाडुः मंदिर नगरी के नाम से विख्यात मदुरै के सबसे भव्य मंदिरों में से एक अरुलमिगु मीनाक्षी अम्मन मंदिर है, जिसे मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर भी कहा जाता है। इस मंदिर की मुख्य देवी मीनाक्षी देवी हैं, जिन्हें देवी पार्वती का दिव्य अवतार माना जाता है। भगवान शिव की पूजा भगवान सुंदरेश्वरार के रूप में की जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह वह स्थान है, जहां सुंदरेश्वरार ने देवी मीनाक्षी से विवाह किया था। सन 1190 से 1205 ईसवी तक शासन करने वाले पांड्य राजा सदावर्मन कुलशेखरन प्रथम ने मीनाक्षी सुंदरेश्वरार मंदिर का निर्माण करवाया था। यह मंदिर अपने गोपुरमों (मंदिर के शिखर), विशाल हॉल, मूर्तियों, नक्काशी और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। यह दक्षिण भारत के भव्य मंदिरों में से एक है। *

स्तंभेश्वर महादेव, वड़ोदरा गुजरात

दक्षिण भारत से दूर पश्चिमी राज्य गुजरात में भी एक प्रसिद्ध-विशिष्ट मंदिर स्तंभेश्वर महादेव स्थित है। इसमें एक ऐसा अनोखा शिवलिंग है, जिसका जलाभिषेक स्वयं समुद्र अपने जल से प्रतिदिन दो बार करता है। यह मंदिर अरब सागर में स्थित है और दिन में दो बार समुद्र में डूब कर अदृश्य हो जाता है। समुद्र का खारा जल इस शिवलिंग को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। यह मंदिर गुजरात के भरूच शहर से लगभग 35 किलोमीटर दूर सागर विस्तार के निकट जंबुसबुरता लुकालुका के नजदीक कावि, कंबोई गांव में स्थित है। इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग की ऊंचाई 4 फीट और व्यास 2 फीट है। इस शिवलिंग के चारों ओर तट पर मंदिर का निर्माण सातवीं सदी के आस-पास हुआ था। माना जाता है कि चावड़ी के संतों द्वारा इसका निर्माण करवाया गया था। बाद में इस मंदिर का पुनर्निमाण आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा भी करवाया गया था। शिव महापुराण, स्कंद पुराण जैसे पौराणिक ग्रंथों में भी इस मंदिर के शिवलिंग का उल्लेख मिलता है।

मंदिर के दर्शन तभी संभव हैं, जब समुद्र में ज्वार कम हो और समुद्र का पानी तट से उतरने लगे। इस मंदिर के ओझल होने का कारण समुद्र में उठा ज्वार होता है। ज्वार के कारण पानी के उद्वेग के समय शिवलिंग पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। मंदिर भी सागर की गहरी लहरों में समा जाता है। तब तट से भी मंदिर दिखना बंद हो जाता है। यहां आने वाले शिवभक्तों को प्रतिदिन के दर्शन के समय ज्वार की जानकारी दी जाती है, जिससे ज्वार-भाटे के समय की जानकारी रहने पर उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। स्तंभेश्वर महादेव मंदिर में हर अमावस्या को मेला लगता है। प्रदोष, पूर्णिमा, एकादशी को यहां पूरी रात पूजा-अर्चना होती है। भगवान शिव के इस अद्भुत मंदिर में देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक आते रहते हैं।

- प्रभा पारीक

भारत में भी धूमधाम से मनाते हैं तिब्बती नव वर्ष लोसर फेस्टिवल

पर्व-संस्कृति
अंजू जैन

हम सब पश्चिमी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी को और हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र प्रतिपदा को नव वर्ष मनाते ही हैं। इनके अलावा कुछ प्रदेशों में तिब्बती नववर्ष लोसर भी मनाया जाता है। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

सुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा को साकार होते देखने जैसा है तिब्बती नव वर्ष का भारत में धूमधाम से मनाया जाना। आज पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे के खान-पान, पहनावे और त्योहारों को अपना रहे हैं। भारत में पाश्चात्य नव वर्ष मनाया जाना तो बहुत सामान्य बात है लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि हमारे देश में तिब्बती नव वर्ष लोसर को भी धूमधाम से मनाया जाता है।

क्या है लोसर उत्सवः 'लोसर' दो तिब्बती शब्दों से मिलकर बना है, जिसमें 'लो' का अर्थ 'नया' और 'सर' का अर्थ 'वर्ष' होता है, जिसका सामूहिक अर्थ 'नया साल' है। लोसर तिब्बत, नेपाल और भूटान का सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध त्योहार है। हमारे देश में यह मुख्य रूप से सिक्किम, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में तिब्बती बौद्ध समुदाय एवं कुछ स्थानीय जनजातियों द्वारा मनाया जाता है। यह उत्सव जीवन के नवीनीकरण, समृद्धि और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है।

सांस्कृतिक महत्वः लोसर उत्सव को हालांकि 'तिब्बती नव वर्ष' कहा जाता है, लेकिन इसकी जड़ें बौद्ध धर्म के आगमन से भी पुरानी हैं। यह मूलतः 'बोन' परंपरा का हिस्सा था, जहां लोग सर्दियों के अंत में प्रकृति को धन्यवाद देने के लिए धूप जलाते थे। बाद में, जब बौद्ध धर्म तिब्बत की मुख्य धारा बना, तो यह उत्सव आध्यात्मिक और धार्मिक रंगों में रंग गया। इस वर्ष लोसर 18 फरवरी, बुधवार को मनाया जाएगा। इसका मुख्य उत्सव आमतौर पर तीन दिनों तक चलता है, लेकिन यह त्योहार 15 दिनों तक मनाया जाता है।

साफ-सफाई का महत्वः लोसर में साफ-सफाई का खास महत्व है। सबसे पहले 'लाबा लोसर' मनाया जाता है, जिसमें घरों की पुताई और सफाई की जाती है। सभी पुरानी, अनुपयोगी वस्तुओं को हटा दिया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में अच्छा स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि आती है। इस अवसर पर घरों को सजाया जाता है और नई प्रार्थना पताकाएं फहराई जाती हैं।

विशेष खान-पानः लोसर पर विशेष भोजन जैसे 'खप्से' (तले हुए बिस्कुट) और 'गुथुक' (एक प्रकार का नूडल सूप) तैयार किए जाते हैं। अमावस्या की पूर्व संध्या पर परिवार 'गुथुक' पीते हैं।

तीन दिनों तक विशेष कार्यक्रमः लोसर उत्सव के पहले दिन सूर्योदय से पहले ही मठों में शंखों की आवाज गूंजने लगती है। इस दिन लोग अपने धर्मगुरुओं का आशीर्वाद लेते हैं। देवताओं और आत्माओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, जिसमें घरों में घी के दीये जलाना और बौद्ध धर्मग्रंथों का पाठ करना शामिल है। दलाई लामा और अन्य उच्च लामाओं की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की जाती है। घरों में 'चेमार' (सत्तू और मक्खन का मिश्रण) का भोग लगाया जाता है।

दूसरा दिन 'ग्यालपो लोसर' (राजाओं का दिन) होता है। यह दिन सामुदायिक मिलन का होता है। ऐतिहासिक रूप से यह दिन शासकों और उनके मंत्रियों के बीच संवाद का होता था। आज के संदर्भ में, यह सार्वजनिक समारोहों, नाच-गाने और मेलों का दिन है। लद्दाख और धर्मशाला की सड़कों पर पारंपरिक पोशाक 'चूबा' पहने लोग एक-दूसरे को 'लोसर ताशी देलेक' (नए साल की शुभ मंगलकामनाएं) कहते हैं।

तीसरा दिन 'चो-क्योंग लोसर' (धर्म रक्षकों का दिन) है। इस दिन लोग पहाड़ की चोटियों पर जाकर 'धूप' (सांग) जलाते हैं और प्रार्थना झंडे (लुंगता) फहराते हैं। ये झंडे शांति, करुणा और शक्ति के प्रतीक हैं।

मुखौटा नृत्य (छम): लोसर उत्सव का सबसे रोमांचक पहलू मठों में होने वाला 'छम' या मुखौटा नृत्य है। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। रंगीन रेशमी कपड़े और भयानक दिखने वाले मुखौटे पहनकर लामा नृत्य करते हैं। ड्रम और लंबी झांझों की थाप पर किया जाने वाला यह नृत्य दर्शकों को एक अलग ही आध्यात्मिक दुनिया में ले जाता है। *

फैशन जोन
प्रतिमा अरोड़ा

बदलते मौसम के अनुसार हमारे ड्रेसिंग सेंस में बदलाव होने लगता है। यही वजह है कि इन दिनों यंगस्टर्स शर्ट और जैकेट के कॉम्बो यानी शैकेट पहनना काफी पसंद कर रहे हैं। इसकी क्या है खासियतें और यंगस्टर्स इन्हें क्यों पसंद करते हैं, इस बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

बदलते मौसम में परफेक्ट शैकेट से मिले स्मार्ट लुक

सर्दी का मौसम जैसे-जैसे विदा ले रहा है, मौसम हल्का गर्म होने लगा है, तो फैशन की दुनिया भी करवट ले रही है। भारी कोट, मोटे स्वेटर, अब वार्डरोब या अलमारियों में जाने लगे हैं। इनके स्थान पर हल्के स्टाइलिश और बहुपयोगी शर्ट+जैकेट या शैकेट का क्रेज दिनोंदिन बढ़ने लगा है। शैकेट वास्तव में शर्ट की आरामदेह संरचना और जैकेट की मजबूती का मिश्रण होता है। यह न तो पूरी तरह से शर्ट और न ही पूरी तरह से जैकेट बल्कि दोनों का संतुलित रूप होता है। इसीलिए यंगस्टर्स के बीच यह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

इसलिए युवाओं को है पसंदः फरवरी और मार्च का महीना वासंती मौसम के महीने होते हैं। इस दौरान न ज्यादा ठंड और न ही ज्यादा गर्मी होती है। ऐसे समय में शैकेट युवाओं के लिए परफेक्ट विकल्प बनकर आता है। लेयरिंग में आसानी भी एक बड़ा कारण है कि यह तेजी से ट्रेंडी हो रहा है। दरअसल टी-शर्ट, फुलस्लीव शर्ट या पतली हुडी के ऊपर शैकेट पहनकर स्टाइलिश लुक मिल जाता है। इसे पहनने का एक फायदा यह भी है कि यह शरीर पर टाइटनेस के साथ चिपकता नहीं है। शरीर लंबे समय तक इसके साथ कंफर्टेबल रहता है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह यूनिसेक्स अपील रखता है। यह लड़कों और लड़कियों दोनों पर समान रूप से सूट करता है। इसीलिए खासतौर पर कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स को शैकेट बहुत पसंद आ रहा है। इसका फैब्रिक पतला होता है। यह फिट होता है लेकिन बहुत टाइट नहीं होता है। यह ठंड से बचाता है लेकिन बहुत गर्म अहसास नहीं कराता है। इसके बटन और सिलाई काफी मजबूत होती है। इसका वजन हल्का होता है ताकि लेयरिंग को आसान बनाए। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स इन्हें पहनना पसंद करते हैं। शैकेट का ट्रेंड सिर्फ अपने देश में ही नहीं पूरी दुनिया के युवाओं को भा रहा है, क्योंकि अगर फैशन इतिहास को देखें तो शैकेट की जड़ें वर्किंग मैन वियर और मिलिट्री क्लोदिंग से जुड़ी हुई हैं।

बनता है इन फैब्रिक्स सेः शैकेट आमतौर पर कॉटन ट्विल, डेनिम, कॉडरॉय और वूलेन मिश्रित फैब्रिक से बने होते हैं। हल्के वजन वाले कॉटन मिक्स शैकेट इस बदलते मौसम में ज्यादा पसंद किए जाते हैं। अगर थोड़ी ठंड महसूस हो तो वूलेन मिक्स्ड शैकेट आप वियर कर सकते हैं। वैसे तो आपको शैकेट्स में कलर्स की ढेरों वैरायटीज मिल जाएंगी। आप उनमें से अपनी पसंद का कोई कलर सेलेक्ट कर सकते हैं। लेकिन अगर शैकेट में कलर और पैटर्न ट्रेंड की बात करें तो ऑलिव ग्रीन, टैन ब्राउन, चारकोल ग्रे, डेनिम ब्लू कलर के शैकेट्स बहुत अट्रैक्टिव लगते हैं। अब यंगस्टर्स के बीच ब्राइट कलर वाले शैकेट्स के बजाय सॉफ्ट और अर्थी टोन वाले शैकेट्स की मांग ज्यादा बढ़ रही है, क्योंकि ये ज्यादा मैचिंग फ्रेंडली होते हैं। जहां तक शैकेट में ट्रेंडी पैटर्न और डिजाइन की बात है तो चेक्स प्रिंटेड और प्लेड पैटर्न यंगस्टर्स के बीच काफी पसंद किए जाते हैं।

लगातार बढ़ रही है डिमांडः हाल के सालों में बदलते मौसम में बाजार में शैकेट की लगातार मांग बढ़ रही है। क्योंकि कुछ वर्षों में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और लोकल ब्रांड ने अपनी नियमित क्लेक्शन में भी शैकेट को शामिल किया है। फैशन रिटेल से जुड़े जानकारों के मुताबिक यह ट्रांजिशनल वियर यानी बदलते मौसम के समय का फैशन हर साल 15 से 20 फीसदी तक वृद्धि हासिल कर लेता है। इसकी बढ़ती मांग का एक कारण यह है कि यह मीडियम रेंज में उपलब्ध होता है। वियर करने पर बहुत सोबर और एलीगेंट लुक देता है। इसके अगर बजट रेंज की बात करें तो शैकेट 800 से 1500 रुपए में मिल जाता है। मिड रेंज की बात करें तो 1500 से 3000 रुपए के बीच इसका रेंज देखा जा सकता है। जबकि प्रीमियम रेंज की बात करें तो 3000 रुपए से ऊपर आपको फाइन क्वालिटी के शैकेट मिल जाते हैं। इसकी यह रेंज दर्शाती है कि हर वर्ग के यंगस्टर्स के लिए शैकेट्स उपलब्ध हैं। यही कारण है कि अपने देश में इसकी डिमांड बदलते मौसम में बढ़ जाती है। इसकी मांग के पीछे एक कारण सस्टेनेबिल्टी भी है। कई ब्रांड अब रि-साइकिल्ड फैब्रिक और आर्गेनिक कॉटन से शैकेट बना रहे हैं। उससे पर्यावरण पर कम असर पड़ता है और युवावर्ग को यह सोच पसंद आती है कि वे स्टाइल के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां भी पूरी कर रहे हैं।

पर्सनालिटी को देता है नया लुकः शैकेट की एक खासियत यह है कि यह तमाम दूसरे फैशन के साथ मर्ज नहीं हो रहा बल्कि एक अलग से पहचान बनाने में कामयाब है। आज के दौर में यंगस्टर्स फैशन को केवल कोई भी ड्रेस पहनने तक सीमित नहीं मानते बल्कि उससे अपने आराम और प्रभाव की तुलना करते हैं। शैकेट इन दोनों कसौटियों में खरा उतरता है। यही कारण है कि यह युवाओं को पसंद आता है। इनसे उन्हें स्मार्ट लुक मिलता है। *

फिल्म 'विधाता' में दिलीप कुमार-शम्मी कपूर

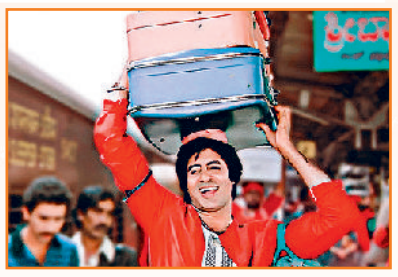
फिल्म 'कुली' के सीन में अमिताभ बच्चन

'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का क्लाइमेक्स सीन

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

रेल में सफर का अलग ही मजा होता है। देश के करोड़ों लोगों की लाइफलाइन से जुड़ी रेलगाड़ी को बॉलीवुड फिल्मों में भी खूब दिखाया जाता रहा है। खास बात यह है कि फिल्मों में ट्रेन वाले सीन और सॉन्ग्स खूब पॉपुलर भी हुए हैं। यहां बात कुछ ऐसी ही फिल्मों की, जिनके टाइटल, सीन या सॉन्ग में ट्रेन मौजूद रही है।

फिल्मों में खूब हुए पॉपुलर ट्रेन बेस्ड सींस-सॉन्ग्स

अपने देश में आज भी अधिकांश लोगों के लिए रेल यात्रा सबसे सुविधाजनक और सस्ती मानी जाती है। यही वजह है कि हिंदी फिल्मों में भी मालगाड़ी से लेकर, यात्री गाड़ी और अत्याधुनिक ट्रेनें भी दिखाई जाती रही हैं। ट्रेन यात्रा से जुड़े दृश्य और गीत मन में अमिट छाप छोड़ते हैं। एंटरटेनमेंट के लिए रेल में रोमांस, रोमांच, रहस्य के अलावा रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, रेल की पटरियां, कुली आदि बहुत कुछ हिंदी फिल्मों में दिखाए जाते रहे हैं।

ट्रेन से जुड़े फिल्मों के नामः बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनके टाइटल ट्रेन या रेलवे के इर्द-गिर्द रखे गए हैं। पुराने जमाने की नायिका नादिया की कई चर्चित फिल्मों के नाम ट्रेन के नाम पर ही रखे गए। उनमें से प्रमुख हैं 'मिस फ्रंटियर मेल'(1936), 'पंजाब मेल'(1939), 'दिल्ली एक्सप्रेस' (1949)। इसी क्रम में 'प्लेटफॉर्म' (1955), '27 डाउन' (1974), 'द ट्रेन' (1971), 'कुली' (1984), 'द बर्निंग ट्रेन' (1980), 'चेन्नई एक्सप्रेस' (2000) जैसी फिल्मों के टाइटल्स से ही पता चलता है कि फिल्म की कहानी रेल के इर्द-गिर्द घूमने वाली होगी।

फिल्मी दृश्यों में ट्रेनः बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनीं, जिनकी शुरुआत में ही रेल दिखाई गई, जैसे- दोस्त (1974)। कुछ फिल्मों का क्लाइमैक्स रेलवे स्टेशन पर फिल्माया गया है, जैसे- 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे'(1995)। इसके अलावा शाहरुख खान की कुछ और फिल्मों में भी ट्रेन की अपनी विशेष भूमिका रही है। 'दिल से', 'स्वदेश', 'वीर-जारा', 'रईस', 'पठान', 'जवान' आदि कई फिल्मों में लाजवाब रेल सीन फिल्माए गए हैं।

धर्मेंद्र का रेल कनेक्शनः पिछले वर्ष दिवंगत हुए सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र की शुरुआती फिल्में जैसे-'शोला और शबनम', 'आपकी परछाइयां', 'फूल और पत्थर' से लेकर 'दोस्त' आदि में रेल का रोल इंपॉर्टेंट रहा। दिलचस्प बात यह है कि धर्मेंद्र ने फिल्मों में आने से पहले कुछ समय तक रेलवे में क्लर्क की नौकरी भी की थी।

ट्रेन में फिल्माए गए कुछ यादगार दृश्यः फिल्मों में ट्रेन के कई ऐसे दृश्य फिल्माए गए हैं, जो यादगार बन गए। 'गांधी' (1982) में एक छोटा सा सीन है, जोकि गांधी जी के जीवन का टर्निंग पॉइंट बना। दक्षिण अफ्रीका में ट्रेन के फर्स्ट क्लास में यात्रा करने के कारण एक अंग्रेज, नाराज होकर, गांधीजी को एक स्टेशन पर सामान समेत डिब्बे के बाहर फेंक देता है। इसके अलावा इसी फिल्म में गांधीजी की ट्रेन से यात्रा के कुछ और सीन भी हैं। 'जब वी मेट' (2007) में फिल्म का नायक मुंबई से ट्रेन में चढ़ता है। रतलाम स्टेशन पर नायिका की ट्रेन छूटती है। आगे दोनों की ट्रेन जर्नी, रेल कर्मियों के साथ उनका वार्तालाप आदि कई रोचक, मनोरंजक दृश्य हैं। 'बड़े मियां, छोटे मियां' (1998) में अमिताभ बच्चन और गोविंदा ट्रेन की बोगी के सभी यात्रियों का सामान, चालाकी से लूट लेते हैं। कई कलाकारों ने फिल्म में रेल कर्मियों के रोल निभाए हैं। 'अजनबी' (1974) में राजेश खन्ना स्टेशन मास्टर बने हैं। 'विधाता' (1982) में दिलीप कुमार और शम्मी कपूर ट्रेन ड्राइवर बने हैं। ओम प्रकाश ने 'जूली' (1975) में ट्रेन ड्राइवर का रोल निभाया है।

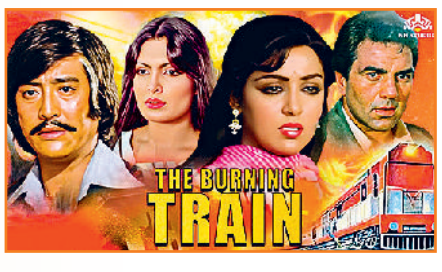

ट्रेन पर आधारित गीतः ट्रेन के भीतर, ट्रेन की छत पर या ट्रेन के इर्द-गिर्द कई फिल्मों के गीत भी फिल्माए गए हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की' ट्रेन में फिल्माए गए फिल्म 'जागृति' (1954) के इस गाने में अध्यापक की भूमिका में अभि भट्टाचार्य, छात्रों को भारत देश के इतिहास से अवगत करवाते हैं। 'आशीर्वाद' (1968) में अशोक कुमार द्वारा गाया और उन्हीं पर फिल्माया रैप सांग 'रेलगाड़ी छुक-छुक-छुक' बॉलीवुड का शुरुआती रैप सॉन्ग है। इसके कई रिमिक्स भी बन चुके हैं। 'दिल से' (1998) में एक नया, अनोखा प्रयोग किया गया था। फिल्म मे 'चल छैंया छैंया' गीत रेल के डिब्बों पर पिक्चराइज किया गया डांस सॉन्ग है। 'दोस्त' (1974) का गीत 'गाड़ी बुला रही है, सीटी बजा रही है...' आज भी लोकप्रिय है। फिल्म 'कुली' (1983) में अमिताभ बच्चन पर फिल्माए गए गीत 'सारी दुनिया का बोझ हम उठाते हैं' में भी ट्रेन और रेलवे प्लेटफॉर्म के दृश्य नजर आते हैं। इन लोकप्रिय गीतों के अलावा भी रेल में हर मूड, सिचुएशन के गानों, दृश्यों की लंबी लिस्ट है। *